www.sanjanabharati.com
दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित
facebook.com/Sanjanabharati

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संजना भारती

RNI No. : DELHIN/2016/70240

आपका भरोसा, हमारी ताकत

2 नक्सलियों के खिलाफ चल रही निर्णायक... 3 144 साल बाद आइल बा महाकुंभ के दिव्य संजोग 4 हरियाणा 2030 तक बनेगा प्रदूषण मुक्त राज्य

वर्षः 9 अंकः 91 दिल्ली, शुक्रवार, 24 जनवरी 2025 पृष्ठ संख्याः 4 मूल्यः 1 रुपया

संक्षिप्त समाचार

केजरीवाल को दिखाए गए काले झंडे, हवा में फेंके गए डुप्लिकेट नोट

नई दिल्ली (एजेन्सी)। हरि नगर विधानसभा क्षेत्र में आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के चुनाव प्रचार के बाद काले झंडे लहराए गए। रैली के बाद जब वह कार्यक्रम स्थल से बाहर निकले तो डुप्लिकेट नोट हवा में फेंके गए। हरि नगर से AAP विधायक, राजकुमारी ढिल्लों, जो एक स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में दिल्ली चुनाव 2025 लड़ रही हैं, हरिनगर निर्वाचन क्षेत्र में अपने प्रचार के दौरान पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल से टकरा गईं। अरविंद केजरीवाल सुरिंदर सेतिया के लिए प्रचार कर रहे थे, जिन्होंने हरि नगर विधायक राजकुमारी ढिल्लों की जगह ली है, जिन्हें पार्टी ने फिर से सीट से मैदान में उतारा है। प्रचार के दौरान अरविंद केजरीवाल ने भाजपा पर निशाना साथा। उन्होंने कहा कि योगी आदित्यनाथ जी दिल्ली आए हैं, मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि यूपी में सरकारी स्कूलों की हालत कितनी खराब है, उनकी सरकार 10 साल से ज्यादा समय से है, वह सरकारी स्कूलों को ठीक नहीं कर पाए।

भारत-बांग्लादेश सीमा पर झड़प के बाद हाई लेवल मीटिंग

नई दिल्ली (एजेन्सी)। पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा पर झड़प के बाद सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) ने एक उच्च स्तरीय बैठक की। बीएसएफ के तरूण कुमार गौतम और बीजीबी के कर्नल मोहम्मद इमरान इब्ने रूफ के नेतृत्व में बैठक आपसी सीमा प्रबंधन पर केंद्रित थी। चर्चा में सीमा पार अवैध गतिविधियों से निपटने, सीमा विवादों के बारे में मीडिया की गलतफहमियों को दूर करने और इसी तरह की घटनाओं को रोकने के लिए समन्वय में सुधार करने पर जोर दिया गया।

'आज विश्व मंच पर भारत की भूमिका बढ़ रही है, भारत की आवाज बुलंद हो रही हैं'

वो दिन दूर नहीं जब भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक ताकत बनेगाः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

(एजेन्सी)।

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को पराक्रम दिवस के रूप में मनाई जाने वाली उनकी 128वीं जयंती पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस को श्रद्धांजलि अर्पित की और भारतीय युवाओं से 'विकसित भारत' के दृष्टिकोण को प्राप्त करने के लिए नेताजी के जीवन से प्रेरणा लेने का आग्रह किया। मोदी ने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जन्मजयंती के पावन अवसर पर पूरा देश श्रद्धापूर्वक उन्हें याद कर रहा है। मैं नेताजी सुभाष बाबू को श्रद्धापूर्वक नमन करता हूं। उन्होंने कहा कि इस वर्ष के पराक्रम दिवस का भव्य उत्सव नेताजी की जन्मभूमि पर हो रहा है। मैं ओडिशा की जनता को, ओडिशा सरकार को इसके लिए बहुत-बहुत बधाई देता हूं। मोदी ने कहा कि कटक में नेताजी के जीवन से जुड़ी एक विशाल प्रदर्शनी भी लगाई गई है। इस प्रदर्शनी में नेताजी के जीवन से जुड़ी अनेक विरासतों को एक साथ सहेजा गया है। कई चित्रकारों ने कैनवास पर नेताजी के जीवन प्रसंग की तस्वीरें उकेरी हैं। उन्होंने कहा कि इन सबके साथ नेताजी पर आधारित कई पुस्तकों को भी इकट्ठा किया गया है। नेताजी की जीवन यात्रा की ये सारी विरासत 'मेरे युवा भारत' को एक नई ऊर्जा देगी। उन्होंने कहा कि आज जब हमारा देश विकसित भारत के संकल्प की सिद्धि में जुटा है, तब नेताजी सुभाष के जीवन से हमें निरंतर प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि आज विश्व मंच पर भारत की भूमिका बढ़ रही है, भारत की आवाज बुलंद हो रही है। वो दिन दूर नहीं जब भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक ताकत बनेगा। हमें नेताजी सुभाष की प्रेरणा से 'एक लक्ष्य-एक ध्येय' विकसित भारत के लिए निरंतर काम करते रहना है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि नेताजी के जीवन का सबसे बड़ा लक्ष्य था 'आजाद हिंद'। उन्होंने अपने संकल्प की सिद्धि के लिए अपने फैसले को एक ही कसौटी पर परखा 'आजाद हिंद'। उन्होंने कहा कि नेताजी एक समृद्ध परिवार में जन्में। उन्होंने सिविल सर्विसेज की परीक्षा पास की। वो चाहते तो अंग्रेजी शासन में एक वरिष्ठ अधिकारी बनकर आराम की जिंदगी जीते।

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने गांव के लोगों से विकास कार्यों को लेकर की चर्चा

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। केंद्रीय ऊर्जा, आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल गुरुवार को करनाल जिला के मुनक में स्थित सिंचाई विभाग के विश्राम गृह में पहुंचे। यहां उन्होंने मुनक व सालवन गांव के ग्रामीणों से मुलाकात की और गांव के विकास कार्यों व अन्य समस्याओं को लेकर विस्तार से चर्चा की। इस दौरान असंध के विधायक योगेंद्र राणा भी मौजूद रहे।

इसके उपरांत उन्होंने कहा कि बैठक का मुख्य उद्देश्य लोगों की समस्याओं को जान कर उनका निराकरण करना है और गांवों में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार करना है ताकि लोगों को छोटी-मोटी दिक्कतों के लिये जिला मुख्यालय न जाना पड़े और उन्हें गांव में ही मूल सुविधाएं प्राप्त हो सकें। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि लोकसभा क्षेत्र के ग्रामीणों से मिलने का दौर निरंतर जारी है। पहले चरण में लोकसभा क्षेत्र के बड़े गांवों के लोगों से मिला जा रहा है। इसके उपरांत उससे छोटे गांवों के लोगों से मुलाकात की जाएगी। तीसरे चरण में कुछ गांवों को मिलाकर बैठक की जाएगी।

बता दें कि केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल पिछले दौरों के दौरान घरौंडा के गांव कोहंड, समालखा के चुलकाना, इंद्री हलका के गांव कुंजपुरा, करनाल के काछवा लोगों के साथ बैठक कर चुके हैं। बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने सिंचाई विभाग के विश्राम गृह के सालों पुराने आगंतुक रजिस्टर में टिप्पणी भी दर्ज की। इस मौके पर असंध के विधायक योगेंद्र राणा के अलावा एसडीएम राहुल, सांसद प्रतिनिधि कविंद्र राणा, बीडीपीओ प्रशांत, मुनक के सरपंच श्रीमती फूल कुमारी, ब्लाक समिति के उपाध्यक्ष अजय कुमार, भाजपा एससी मोर्चा के जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश, गुलाब सिंह वड़ैच, सालवन के सरपंच जयवीर राणा, मंडल अध्यक्ष जय भगवान जांगड़ा, पूर्व मंडल अध्यक्ष अमित राणा, सुभाष आर्य, रिटायर्ड कैप्टन जयपाल सिंह आदि मौजूद रहे।

दिल्ली को चाहिए शीला दीक्षित का विकास मॉडलः राहुल गांधी

(एजेन्सी)।

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को कहा कि दिल्ली अब पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित का वास्तविक विकास मॉडल चाहती है, न कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और आप संयोजक अरविंद केजरीवाल का झूठा प्रचार और पीआर मॉडल। गांधी ने फेसबुक पर महंगाई, बेरोजगारी, प्रदूषण और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों पर प्रकाश डालते हुए एक वीडियो असेंबल साझा किया। पूर्व कांग्रेस प्रमुख ने हिंदी में अपने फेसबुक पोस्ट में कहा कि खराब निर्माण, गंदगी, महंगाई, बेरोजगारी, प्रदूषण और भ्रष्टाचार-दिल्ली की सच्चाई जनता के सामने है।

राहुल गांधी ने जोर देते हुए कहा कि दिल्ली अब मोदी और केजरीवाल का झूठा प्रचार और ढफमॉडल नहीं - शीला दीक्षित जी का वही सच्चा विकास मॉडल मांग रही है। गांधी बुधवार को सदर बाजार विधानसभा क्षेत्र में एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित नहीं कर सके क्योंकि वह अस्वस्थ थे और उन्होंने रैली में पढ़े गए एक संदेश के माध्यम से लोगों से चुनाव में पार्टी की जीत सुनिश्चित करने की अपील की। अपने खराब स्वास्थ्य के कारण गांधी मंगलवार को 'जय बापू, जय भीम, जय संविधान' रैली के लिए कर्नाटक के बेलगावी भी नहीं जा सके और इससे पहले नई दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र में उनका राजनीतिक कार्यक्रम भी नहीं हो सका। इस महीने की शुरूआत में, गांधी ने प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर तीखा हमला करते हुए कहा था कि दोनों नेताओं के बीच कोई अंतर नहीं है और वे नहीं चाहते कि पिछड़ों, दलितों, आदिवासियों और अल्पसंख्यकों को उनका उचित हिस्सा मिले।

हरियाणा में अब 10 और श्रेणियों के दिव्यांगजनों को मिलेगी पेंशन

मंत्रिमंडल ने हरियाणा दिव्यांग पेंशन नियमों में दी संशोधन को मंजूरी

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा में दिव्यांगजनों के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने और जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने के उद्देश्य से सरकार ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए 10 अन्य श्रेणियों के तहत दिव्यांगजनों को पेंशन का लाभ देने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में आयोजित हरियाणा मंत्रिमंडल ने हरियाणा दिव्यांग पेंशन नियम, 2016 में संशोधन को मंजूरी दे दी है।

केंद्र सरकार द्वारा दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 के तहत 21 प्रकार की दिव्यांग श्रेणियों को शामिल किया गया है। वर्तमान में, हरियाणा सरकार 11 श्रेणियों में दिव्यांगजनों को पेंशन का लाभ प्रदान कर रही है। अब हरियाणा सरकार ने शेष 10 श्रेणियों को भी लाभांवित करने का फैसला किया है, जिसके तहत 32,000 दिव्यांगजन लाभांवित होंगे। इन 10 श्रेणियों में प्रमस्तिष्क घात, मांसपेशीय दुर्विकास, वाक् और भाषा दिव्यांगता, बहु-स्केलेरोसिस, पार्किंसंस रोग, सिकल कोशिका रोग, बहु-दिव्यांगता, विनिर्दिष्ट सीख दिव्यांगता, स्वपरायणता स्पेक्ट्रम विकार और चिरकालिक तंत्रिका दशाएं शामिल है।

वर्तमान में, यूडीआईडी पोर्टल के अनुसार हरियाणा में 2,08,071 लाभार्थियों को दिव्यांग पेंशन के रूप में 3 हजार रुपये प्रति माह प्रदान किए जा रहे हैं। अब नियमों में शेष 10 दिव्यांगता श्रेणियों को शामिल करने से लगभग 32 हजार व्यक्ति इस पेंशन का लाभ लेने के लिए पात्र होंगे।

इसके अलावा, बैठक में हीमोफीलिया और थैलेसीमिया से पीड़ित रोगियों के मामले में वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए आयु सीमा को समाप्त करने का निर्णय लिया है। वर्तमान में हीमोफीलिया और थैलेसीमिया से पीड़ित रोगियों को वित्तीय लाभ प्राप्त करने के लिए आयु सीमा न्यूनतम 18 साल है। साथ ही, यह भी निर्णय लिया गया कि हीमोफीलिया, थैलेसीमिया व सिकल सैल एनेमिया के लिए वित्तीय सहायता पहले से प्राप्त किसी भी अन्य सामाजिक सुरक्षा पेंशन के अतिरिक्त होगी। यह सरकार की दिव्यांगजनों के कल्याण व स्वस्थ बनाने की निरंतर प्रतिबद्धता है और यह सुनिश्चित करना है कि वे सुखद जीवन के लिए सरकार से आवश्यक सहयोग प्राप्त करते रहें।

हरियाणा मंत्रिमंडल ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस को दी श्रद्धांजलि

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में यहां हुई मंत्रिमंडल की बैठक में सर्वप्रथम पराक्रम दिवस के मौके पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। बैठक के उपरांत मीडिया से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि नेताजी एक महान स्वतंत्रता सेनानी थे और भारत की आजादी में उनका महत्वपूर्ण योगदान था।

एक सवाल का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने जो संकल्प पत्र में वायदे किए थे, वो एक-एक करके पूरे करने का काम किया जा रहा है। उसी कड़ी में महिलाओं के लिए लाडो लक्ष्मी योजना की रूपरेखा तैयार की जा रही है। राज्य के आगामी बजट में इसकी पूरी जानकारी दी जाएगी और बजट का प्रावधान किया जाएगा।

दिल्ली विधानसभा चुनावों के संबंध में पूछे गए प्रश्न के उत्तर में श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि जो स्वयं को आम आदमी कहते थे, उन्होंने अपना शीशमहल खड़ा कर लिया है। दिल्ली की जनता में आम आदमी पार्टी की सरकार के प्रति रोष है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली के मंत्री आज भी शराब नीति की बात करते हैं, जबकि हरियाणा सरकार की नीति विकास की नीति है। हरियाणा में बिना पर्ची-खर्ची के गरीब परिवारों के बच्चे एचसीएस अधिकारी तक लग रहे हैं। इस अवसर पर सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले राज्य मंत्री राजेश नागर, खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम, सूचना, जनसंपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग के महानिदेशक के मकरंद पांडुरंग और मीडिया सचिव प्रवीण आत्रेय उपस्थित थे।

उत्तर रेलवे ने 69वां रेल सप्ताह पुरस्कार समारोह के आयोजन के साथ मनाया

उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक अशोक कुमार वर्मा ने 104 अधिकारियों को किया पुरस्कृत

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा

नई दिल्ली। उत्तर रेलवे ने अपना 69वां रेल सप्ताह राष्ट्रीय रेल संग्रहालय, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली में एक भव्य पुरस्कार समारोह के आयोजन के साथ मनाया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक अशोक कुमार वर्मा ने की। इस अवसर पर उत्तर रेलवे अपर महाप्रबंधक मोहित चंद्रा, विभिन्न विभागों के सभी प्रमुख विभागाध्यक्ष, वरिष्ठ रेल अधिकारी और कर्मचारी, तथा यूनियनों, एसोसिएशन और फेडरेशन के सदस्य भी उपस्थित थे।

दिल्ली मंडल को सभी क्षेत्रों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए बेस्ट डिवीजन शील्ड

समारोह की शुरूआत उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक वर्मा द्वारा 104 रेलवे कर्मचारियों (अधिकारियों और कर्मचारियों) को उनकी सराहनीय सेवाओं के लिए सम्मानित करने के साथ हुई। उन्होंने कार्य-निषपादन आधारित मापदंडों के आधार पर 54 रनिंग शील्डें भी प्रदान की। दिल्ली मण्डल को सभी क्षेत्रों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए शील्ड से सम्मानित किया गया। लखनऊ मण्डल को अपने सबसे किफायती कामकाज के लिए सम्मानित किया गया है। बेस्ट इम्प्रूवड डिवीजन शील्ड मुरादाबाद मण्डल को प्रदान की गई है।

इस अवसर पर बोलते हुए, श्री अशोक कुमार वर्मा ने प्रमुख कार्यात्मक क्षेत्रों में जोन की विभिन्न उपलब्धियों के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों की सराहना की। उन्होंने क्षेत्र में बुनियादी ढांचे और सेवाओं के विकास पर प्रकाश डाला, जिसमें हाल ही में प्रधानमंत्री द्वारा जम्मू मण्डल का उद्घाटन भी शामिल है। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही उद्घाटन के लिए तैयार जम्मू-उधमपुर-श्रीनगर बारामूला रेल लिंक कश्मीर घाटी को देश के बाकी हिस्सों से रेलमार्ग द्वारा जोड़ेगा। साथ ही कांगड़ा घाटी की नैरो गेज रेलवे लाइन का संचालन भी जम्मू मण्डल द्वारा किया जाएगा।

महाप्रबंधक ने पुरस्कार प्राप्त करने वाले सभी विजेताओं और उनके परिवारों को बधाई दी और उत्तर रेलवे के उन 10 कर्मचारियों को भी बधाई दी, जिन्हें हाल ही में भारत मंडपम में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा प्रतिष्ठित 'अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार' से सम्मानित किया गया था। इन व्यक्तिगत पुरस्कारों का उद्देश्य, उत्तर रेलवे को अधिक कुशल, सुरक्षित और यात्री-अनुकूल जोन बनाने की दिशा में रेलकर्मियों के समर्पण, कड़ी मेहनत और असाधारण योगदान को स्वीकार करने और उनका जश्न मनाने के लिए एक मंच प्रदान करना हैं। उत्तर रेलवे के समग्र प्रदर्शन और समूहिक प्रयासों में उत्कृष्ट उपलब्धियों और योगदान को मान्यता देते हुए विभिन्न श्रेणियों में शील्ड पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं।

अम्बाला छावनी की दस सड़कों को मिलेगी मजबूती : अनिज विज

(एजेन्सी)।

चंडीगढ़। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज के प्रयासों से अम्बाला छावनी के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में दस सड़कों की मरम्मत के लिए प्रदेश सरकार द्वारा मंजूरी प्रदान की गई है। बीते वर्ष जून माह में इन दस सड़कों की मरम्मत हेतु एस्टीमेट भेजा गया था जिससे अब सरकार ने जनवरी में मंजूरी प्रदान की है। श्री विज ने बताया कि अम्बाला छावनी के शहरी और ग्रामीण क्षेत्र की दस सड़कों की मरम्मत के लिए 4.26 करोड़ रुपए की राशि मंजूर की गई है। इन सड़कों बनने से स्थानीय निवासियों को फायदा होगा। गौरतलब है कि इन दस सड़कों की मरम्मत के लिए बीते वर्ष 13 जून को पीडब्ल्यूडी की ओर से एस्टीमेट बनाकर प्रदेश सरकार को मंजूरी के लिए भेजा गया था जिसकी मंजूरी अब प्रदेश सरकार द्वारा इस वर्ष जनवरी माह में 16 जनवरी को प्रदान की गई है। सड़कों की मरम्मत से शहर व ग्रामीण क्षेत्र के निवासियों को लाभ मिलेगा तथा वाहन चालकों को आने-जाने में बेहतर सुविधा मिलेगी। इसी प्रकार नारायणगढ़ हाईवे से गांव बरनाला तक रोड की मरम्मत, नारायणगढ़ हाईवे से गांव मंडौर तक रोड की मरम्मत, टुंडला से लिंक रोड स्थानीय मंडी तक, पंजोखरा साहिब से टुंडला तक लिंक रोड की मरम्मत, जगाधरी रोड पर चंदपुरा से मुन्नरहेड़ी तक मरम्मत, एफसीआई गोदाम के निकट रंगिया मंडी-नन्हेड़ा रोड की मरम्मत, इसी तरह जीटी रोड से नन्हेड़ा से रंगिया मंडी रोड की मरम्मत, शाहपुर से मच्छौंडा रोड की मरम्मत तथा जीटी रोड से मच्छौंडा रोड की मरम्मत 4.26 करोड़ रुपए की लागत से की जाएगी।

रेलवे के तकनीकी आधार में सुधार करने के लिए लगातार कर रहे हैं प्रयासः अश्विनी वैष्णव

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा

नई दिल्ली। सबसे महत्वपूर्ण कारक जो दुनिया को जानना चाहिए वह विश्वास का तत्व है जिसे भारत ने अपनी विदेश नीति और प्रधान मंत्री की आर्थिक सोच के माध्यम से विकसित किया है। वे इसका अनुभव कर रहे हैं। उन्हें इसके पीछे की विचार प्रक्रिया को समझना चाहिए और उन्हें तर्क को समझना चाहिए, व्यवस्थित सोच जो इसमें चली गई है। हम नई ट्रेनों, नए प्रकार की पटरियों, पटरियों के उन्नयन और हर क्षेत्र में रखरखाव के संदर्भ में रेलवे के तकनीकी आधार में सुधार करने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। हम नवीनतम तकनीकों को प्राप्त करने की कोशिश कर रहे हैं।

इस वित्तीय वर्ष की दूसरी तिमाही में मंदी पर-"अर्थव्यवस्था में तीन बड़े लीवर हैं- राजकोषीय नीति, मौद्रिक नीति और क्रेडिट नीति। आरबीआई का काफी समय से बहुत ही प्रतिबंधात्मक रुख रहा है, और तरलता को नियंत्रित किया गया है क्योंकि आरबीआई मुद्रास्फीति के दबावों पर एक बड़ा ब्रेक लगाना चाहता था। चुनावों और लंबे समय तक मानसून के कारण, कई क्षेत्रों में निर्माण प्रभावित हुआ। मुझे लगता है कि यह पूरे वक्र में सिर्फ एक छोटा सा ब्लिप है। हम निश्चित रूप से 6 से 8% विकास बैंड में हैं।

वैश्विक कंपनियां भारत को क्यों चुनेंगी-इसे एक अलग फ्रेम से देखा जाना चाहिए। मैं जो फ्रेम पेश करना चाहता हूं वह विश्वास का फ्रेम, प्रतिभा का फ्रेम और डिजाइन क्षमताओं का फ्रेम है। यह अद्वितीय भारतीय लाभ है जो हमारे पास है। भारत में प्रतिभा की प्रचुरता है। लगभग 2,000 जीसीसी उन्नत चिप्स पर काम कर रहे हैं। और सबसे बड़ा कारक यह है कि हमारे प्रधान मंत्री ने पिछले 10 वर्षों में आर्थिक और विदेश नीति का संचालन कैसे किया है। इस वजह से आज दुनिया को भारत पर भरोसा है, और भारत उनके आईपीआर का सम्मान करता है। यही कारण है कि इतने सारे लोग न केवल अपनी आपूर्ति श्रृंखला बल्कि मूल्य श्रृंखलाओं को भी भारत में स्थानांतरित कर रहे हैं। और, यही कारण है कि लोग भारत में सेमीकंडक्टर का निर्माण करना चाहते हैं। भारत आने वाले वर्षों में अर्धचालकों के लिए शीर्ष 3 गंतव्यों में से एक है और आधार पहले से ही स्थापित है। वे देखते हैं कि भारत को एआई के लिए उपयोग के मामले की राजधानी बनना चाहिए। आज मॉडल व्यावहारिक रूप से कमोडिटी बन रहे हैं। तो हम एक पारिस्थितिकी तंत्र कैसे बनाते हैं जहां हमें पूरी दुनिया और उद्योग के लिए उपयोग के मामले और एप्लिकेशन और एजेंट बनाने में सक्षम होना चाहिए। तो यह वह ढांचा है जिसे मैं देखना चाहता हूं-विश्वास, डिजाइन और प्रतिभा की उपलब्धता का ढांचा।

व्यापार टैरिफ और व्यापार संरक्षणवाद को कम करने पर-'टैरिफ का सरलीकरण हमारी सरकार के प्रमुख एजेंडे में से एक है। अतीत में बहुत सरलीकरण और डिजिटलीकरण हुआ है। इसने वास्तव में उद्योग और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला की मदद की है। इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के मामले में हमारे पास एक संतृप्त घरेलू मांग है क्योंकि 99.1% मोबाइल फोन जो हम अपने देश में उपयोग करते हैं, आज भारत में निर्मित हैं। यहां से विकास की रणनीति को बदलना होगा। तो यह मानसिकता में बदलाव है। पहले हम घरेलू मांग के लिए आयात प्रतिस्थापन, विनिर्माण को देख रहे थे। अब हम मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड को देख रहे हैं। विकास के अगले चरण में निर्यात के नेतृत्व में वृद्धि को देखें। यह कई उद्योगों में हो रहा है जैसे दवा उद्योग, रासायनिक उद्योग। यह कुछ समय के लिए परिधान उद्योग में रहा है। ताकि मानसिकता में बदलाव हो रहा है और सीमा शुल्क कानूनों और सीमा शुल्क संरचना में सरलीकरण भी हो रहा है। मैं सहमत हूं कि कुछ खंडों की रक्षा करने के लिए कुछ कर्तव्य होंगे जो हमारे लिए महत्वपूर्ण हैं। उस तरह का कैलिब्रेटेड दृष्टिकोण बेहतर दृष्टिकोण है। मैं स्पष्ट रूप से कई अर्थशास्त्रियों के सैद्धांतिक दृष्टिकोण से सहमत नहीं हूं, मैं एक कैलिब्रेटेड दृष्टिकोण अपनाऊंगा जो अधिक व्यावहारिक और अधिक सामान्य है।

सम्पादकीय

'मुफ्त उपहारों' की चर्चा

आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में सत्तारुढ़ आम आदमी पार्टी मुफ्त बिजली, पानी, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और महिलाओं के लिए नि:शुल्क सार्वजनिक परिवहन पहल पर जोर देते हुए रेवड़ी पर चर्चा जैसे अभियानों का नेतृत्व कर रही है। इसने नयी योजनाओं की भी घोषणा की है, जिनमें महिलाओं को हर महीने 2,100 रुपये देने के वादे के साथ मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना और बुजुर्गों के लिए मुफ्त स्वास्थ्य देखभाल संबंधी संजीवनी योजना शामिल है। कांग्रेस ने जवाब में प्यारी दीदी योजना की घोषणा की है जिसके तहत महिलाओं को हर महीने 2,500 रुपये देने की बात कही गई है। इसने 25 लाख रुपये तक की बीमा कवरेज का वादा करते हुए जीवन रक्षा योजना की घोषणा भी की है। वहीं भाजपा ने भी अपने संकल्प पत्र के दो चरण अब तक जारी किये हैं जिनमें हर वर्ग के लिए योजनाओं की भरमार है। देखा जाये तो इन मुफ्त योजनाओं को एक बार मुफ्त की रेवड़ी करार देने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भी दिल्ली के लोगों को आश्वस्त करना पड़ा है कि अगर भाजपा सत्ता में आई तो इस तरह की योजनाएं जारी रखी जाएंगी। इस बीच, मतदाताओं को लुभाने के लिए मुफ्त उपहारों की घोषणाओं के चलते दिल्ली में वायु प्रदूषण जैसा महत्वपूर्ण मुद्दा गौण हो गया है। हालांकि राजधानी के ज्यादातर निवासियों ने गंभीर स्वास्थ्य खतरा बने वायु प्रदूषण से निपटने के लिए ठोस कार्य योजनाओं की कमी पर चिंता जताई है। हम आपको बता दें कि केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) पिछले साल नवंबर में 490 के अंक को पार कर गया, जो अत्यंत गंभीर श्रेणी में आता है। जहरीली हवा के कारण अनेक लोगों को विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा, यमुना नदी में अमोनिया के उच्च स्तर के कारण पूरे शहर में पानी की कमी भी देखी गई क्योंकि जलशोधन संयंत्र पानी का शोधन करने में असमर्थ थे। यही नहीं, खराब जल निकासी के चलते दिल्ली के राजेंद्र नगर स्थित एक कोचिंग सेंटर में तीन यूपीएससी अभ्यर्थियों की डूबने से मौत को लेकर राष्ट्रीय राजधानी में आक्रोश देखा गया था। बहरहाल, देखा जाये तो मुफ्तखोरी की संस्कृति को बढ़ावा देने की वजह से शासन एवं नीति-निर्माण पंगु हो गये हैं। अपने अब तक के कार्यकाल में आम आदमी पार्टी की सरकार ने रोजगार सृजन और संविदा कर्मचारियों के लिए समाधान खोजने जैसे अन्य प्रमुख मुद्दों की अनदेखी की है। आम आदमी पार्टी ने मुफ्त योजनाओं की जो आदत जनता को लगाई है उसको देखते हुए अन्य पार्टियां भी इसी नीति पर चलती नजर आ रही हैं। यह नीति राजनीतिक दलों को सत्ता तो दिला देगी लेकिन सरकारी खजाने को और राज्य की आर्थिक सेहत को खासा नुकसान पहुँचाएगी। यहां सवाल यह भी उठता है कि हम 2047 तक भारत को विकसित बनाने की बात कर रहे हैं लेकिन जब देश की राजधानी ही विकसित नहीं होगी तो यह लक्ष्य आखिर कैसे हासिल होगा?

जयंती

कर्पूरी ठाकुर

जन्म-24 जनवरी, 1924; मृत्यु-17 फरवरी, 1988) भारतीय स्वतंत्रता सेनानी, शिक्षक, राजनीतिज्ञ तथा बिहार के भूतपूर्व मुख्यमंत्री थे। कर्पूरी ठाकुर इतने सरल थे कि आम लोगों की फरियाद भी बड़ी तल्लीनता से सुनते थे। बहुत तल्लीन होकर प्रदेश का कोई भी अहम काम निपटाते थे। इसीलिए उनको जननायक भी कहा जाता है। भारत सरकार ने कर्पूरी ठाकुर को वर्ष 2024 में उनकी मृत्यु के 35 साल बाद भारत रत्न से सम्मानित किया है। 1952 की पहली विधानसभा में चुनाव जीतने के बाद वे बिहार विधानसभा का चुनाव कभी नहीं हारे। राजनीति में इतना लंबा सफर बिताने के बाद जब वो मरे तो अपने परिवार को विरासत में देने के लिए एक मकान तक उनके नाम नहीं था। ना तो पटना में, ना ही अपने पैतृक घर में वो एक इंच जमीन जोड़ पाए। जब करोड़ो रुपयों के घोटाले में आए दिन नेताओं के नाम उछल रहे हों, कर्पूरी जैसे नेता भी हुए, विश्वास ही नहीं होता। उनकी ईमानदारी के कई किस्से आज भी बिहार में आपको सुनने को मिलते हैं। उनसे जुड़े कुछ लोग बताते हैं कि कर्पूरी ठाकुर जब राज्य के मुख्यमंत्री थे तो उनके रिश्ते में उनके बहनोई उनके पास नौकरी के लिए गए और कहीं सिफारिश से नौकरी लगवाने के लिए कहा। उनकी बात सुनकर कर्पूरी ठाकुर गंभीर हो गए। उसके बाद अपनी जेब से पचास रुपये निकालकर उन्हें दिए और कहा, जाइए, उस्तरा आदि खरीद लीजिए और अपना पुश्तैनी धंधा आरंभ कीजिए।

पुण्यतिथि

होमी जहाँगीर भाभा

जन्म: 30 अक्तूबर, 1909, मुंबई; मृत्यु: 24 जनवरी, 1966) भारत के एक प्रमुख वैज्ञानिक थे, जिन्होंने भारत के परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम की कल्पना की थी। जब होमी जहाँगीर भाभा 29 वर्ष के थे और उपलब्धियों से भरे 13 वर्ष इंग्लैंड में बिता चुके थे। उस समय 'कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय' भौतिक शास्त्र के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ स्थान माना जाता था। वहाँ पर श्री भाभा केवल पढ़ाई ही नहीं बल्कि कार्य भी करने लगे थे। जब अनुसंधान के क्षेत्र में श्री भाभा के उपलब्धियों भरे वर्ष थे तभी स्वदेश लौटने का अवसर उन्हें मिला। श्री भाभा ने अपने वतन भारत में रहकर ही कार्य करने का निर्णय लिया। उनके मन में अपने देश में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक क्रांति लाने का जुनून था। यह डॉ. भाभा के प्रयासों का ही प्रतिफल है कि आज विश्व के सभी विकसित देशों भारत के नाभिकीय वैज्ञानिकों की प्रतिभा एवं क्षमता का लोहा माना जाता है।

कल मिलेंगे

मास्टर जी-एक तरफ पैसा और दूसरी तरफ अक्ल...
बताओ चिंटू तुम क्या चुनोगे?
चिंटू-पैसा
मास्टर जी-गलत, मैं तो अक्ल चुनता
चिंटू-आपकी बात भी सही है, क्योंकि जिसके पास जो चीज नहीं होगी, वो वही चुनेगा...

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।
RNI No. : DELHIN/2016/70240
Phone No.: 9871221635
E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com
(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

नक्सलियों के खिलाफ चल रही निर्णायक मुहिम के मिलने लगे हैं बेहतर नतीजे

सुरक्षा बलों के इस संयुक्त ऑपरेशन में नक्सल आंदोलन का एक प्रमुख सरगना, जयराम चलपती को ढेर किया गया। क्योंकि जयराम को नक्सली हिडमा का गुरु माना जाता था और नक्सली गतिविधियों में उसकी अहम भूमिका थी। जयराम पर 1 करोड़ रुपये का इनाम भी घोषित किया गया था। क्योंकि सुरक्षा एजेंसियों के लिए जयराम की तलाश एक बड़ी चुनौती थी

-कमलेश पांडेय

आमतौर पर नक्सली, आतंकवादी और अंडरवर्ल्ड के मास्टरमाइंड अपने पूरे जमात के साथ भारतीय गणतंत्र के लिए चुनौती समझे जाते हैं। इसलिए सुरक्षाबलों ने 76वें गणतंत्र दिवस से महज कुछ दिन पहले नक्सलियों के खिलाफ जो निर्णायक कार्रवाई करते हुए अंतरराज्यीय ऑपरेशन चलाए हैं और एक दर्जन से ज्यादा नक्सलियों को मुठभेड़ में मार गिराया है, वह तिरंगे और संवैधानिक गणतांत्रिक व्यवस्था को सच्ची सलामी है। इसलिए देशवासियों की अपेक्षा है कि सुरक्षा बलों की यह कार्रवाई और अधिक तेज होनी चाहिए, क्योंकि ऐसा करके ही हम उनके नापाक हौसले को तोड़ सकते हैं।

देखा जाए तो चाहे अंतर्राष्ट्रीय थल या समुद्री सीमा से सटे प्रदेश हों या हमारे आंतरिक प्रदेश, यहां पर नक्सलियों, आतंकवादियों और अंडरवर्ल्ड सरगनाओं की मौजूदगी और उनके मार्फत जब-तब होते रहने वाली हिंसात्मक घटनाएं एक ओर जहां शासन व्यवस्था और अमनपसंद लोगों को मुंह चिढ़ाती हैं, वहीं दूसरी ओर धनी लोगों के भयादोहन का कारण भी बनती हैं। चूंकि अवैध मानव व वस्तु तस्करी, ड्रग्स सिंडिकेट, अवैध हथियारों के कारोबार, फिरौती, विवादास्पद सम्पत्तियों की खरीद-फरोख्त आदि से इनके तार जुड़े होते हैं, इसलिए सफेदपोश नेताओं-समाजसेवियों-कथित अधिकारियों-उद्योगपतियों आदि के माध्यम से इनके सरगना भी परस्पर मिले हुए होते हैं।

आम धारणा रही है कि इनके खिलाफ निर्णायक कार्रवाई इसलिए भी नहीं हो पाती है, क्योंकि क्षेत्रीय दलों और स्थानीय नेताओं से इनकी गुप्त सांठगांठ रहती है! और यही इनके तार कथित राष्ट्रीय नेताओं और अर्बन नक्सलियों-अपराधियों-आतंकवादियों के सिंडिकेट तक से जोड़ते हैं। यही वजह है कि प्रशासन भी सियासी कारणों के चलते इनके खिलाफ निर्णायक कार्रवाई नहीं कर पाता है। वहीं, जम्मू-कश्मीर, पंजाब से लेकर उत्तर-पूर्वी राज्यों की आतंकी घटनाएं हों, या झारखंड, उड़ीसा, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, आंध्रप्रदेश, महाराष्ट्र व बिहार की नक्सली घटनाएं, या फिर बड़े महानगरों से लेकर जिलास्तरीय शहरों की अंडरवर्ल्ड वारदातें, इनके तार परस्पर जुड़े बताए जाते हैं।

कहना न होगा कि इनमें से कई राज्यों में क्षेत्रीय दलों की मजबूती के पीछे भी इनकी राष्ट्रविरोधी सोच होती हैं, जिन्हें बरास्ता नेपाल, पाकिस्तान व चीन का भी संरक्षण हासिल होता है। वहीं, कांग्रेस समेत कई बड़े क्षेत्रीय दल भी इनके नेक्सस के समक्ष घुटने टेक चुके हैं। जबकि इन सभी बातों से उलट केंद्र में सत्तारूढ़ राष्ट्रवादी भाजपा नीत एनडीए की सरकार और उड़ीसा-छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र की भाजपा प्रदेश सरकारों की संगठित अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति से प्रोत्साहित होकर सुरक्षा बलों ने स्थानीय पुलिस के साथ संयुक्त रणनीति बनाकर नक्सलियों-दुर्दांत अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का जो बीड़ा उठाया है, उसकी एक झलक ताजा कार्रवाई से मिलती है।

गौरतलब है कि भारत में नक्सलवाद के खिलाफ चल रहे अभियान को एक और बड़ी सफलता तब मिली, जब गत दिनों ओडिशा और छत्तीसगढ़ के बॉर्डर क्षेत्र में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (उफ्ढत्र), छत्तीसगढ़ के एसओजी (स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप) और ओडिशा पुलिस के ज्वाइंट ऑपरेशन के दौरान 14 नक्सलियों को मार गिराया गया। इस कार्रवाई में नक्सलियों के खिलाफ सुरक्षा बलों की ओर से की गई त्वरित और रणनीतिक कार्रवाई को एक बड़ी सफलता के रूप में देखा जा रहा है। इस ऑपरेशन में बड़ी संख्या में हथियार और बाकी सामग्री भी बरामद की गई जो नक्सली गतिविधियों को और बढ़ावा दे रही थी।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक, सुरक्षा बलों के इस संयुक्त ऑपरेशन में नक्सल आंदोलन का एक प्रमुख सरगना, जयराम चलपती को ढेर किया गया। क्योंकि जयराम को नक्सली हिडमा का गुरु माना जाता था और नक्सली गतिविधियों में उसकी अहम भूमिका थी। जयराम पर 1 करोड़ रुपये का इनाम भी घोषित किया गया था। क्योंकि सुरक्षा एजेंसियों के लिए जयराम की तलाश एक बड़ी चुनौती थी। ऐसा इसलिए कि वह नक्सलवादी समूहों के लिए एक अहम रणनीतिक सोच के रूप में काम करता था। उसकी मृत्यु से न केवल छत्तीसगढ़ और ओडिशा बल्कि पूरे देश में नक्सलवादी आंदोलन को एक बड़ा झटका लगा है।

बताया जाता है कि इस ऑपरेशन को सफल बनाने में छत्तीसगढ़, ओडिशा और तेलंगाना की राज्य सरकारों ने अहम भूमिका निभाई है। इन तीनों राज्यों की पुलिस और सुरक्षा बलों ने मिलकर जयराम और उसके साथी नक्सलियों के खिलाफ लंबे समय से सख्त अभियान चलाया था। यही वजह है कि गृहमंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ट्वीट कर इस सफलता पर बधाई दी और सुरक्षा बलों की कड़ी मेहनत की सराहना की। उन्होंने कहा कि ये नक्सल मुक्त भारत के लक्ष्य की दिशा में एक और अहम कदम है।

बता दें कि भारत सरकार का स्पष्ट लक्ष्य है कि देश को नक्सलवाद से पूरी तरह मुक्त किया जाए। ये ऑपरेशन उस दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है जो सुरक्षा बलों और सरकार के प्रयासों से नक्सलवाद के खात्मे की ओर बढ़ रहा है। समझा जा रहा है कि जयराम की मौत के बाद अब नक्सलियों के मनोबल को भारी झटका लगेगा और उन्हें पुन: अपनी ताकत को संगठित करना मुश्किल होगा। सुरक्षा बलों की ये सफलता न केवल एक बड़ी सैन्य जीत है बल्कि ये देश के नागरिकों के लिए एक संदेश भी है कि नक्सलवाद का खात्मा अब बिल्कुल नजदीक है।

बता दें कि एक साल पहले गृह मंत्री अमित शाह ने नक्सलवाद को खत्म करने के रोडमैप को जो हरी झंडी दी थी, उसके तहत एनआईए ने नक्सलियों के खिलाफ कुल 96 मामलों की जांच कर रही है। उनकी राजनीतिक इच्छा शक्ति और सटीक रणनीति का ही यह तकाजा है कि हाल ही में 14 नक्सली एक मुठभेड़ में मारे गए हैं। उल्लेखनीय है कि एक साल पहले 21 जनवरी 2024 को गृह व सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रायपुर में छत्तीसगढ़ के शीर्ष नेतृत्व एवं सुरक्षा बलों के प्रमुखों के साथ बैठक की थी, जिसमें नक्सलवाद को खत्म करने के रोडमैप को हरी झंडी दी थी। वहीं, छत्तीसगढ़ की पूर्ववर्ती भूपेश बघेल के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार के विपरीत नवनियुक्त विष्णु देव साय के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने इस रोडमैप को अमली जामा पहनाने की राजनीतिक इच्छाशक्ति प्रदर्शित की, जिसका बेहतर नतीजा सबके सामने है।

गौरतलब है कि नक्सलवाद को पूरी तरह से खत्म करने के लिए बनाए गए अमित शाह के रोडमैप में तीन अहम बिंदू हैं। पहला, नक्सलियों के कोर इलाके में सुरक्षा बलों की अग्रिम चौकियां स्थापित कर सुरक्षा गैप को भरना, दूसरा, मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम कानून का इस्तेमाल कर ईडी की मदद से नक्सलियों को मिलने वाली फंडिंग के स्त्रोत को पूरी तरह से बंद करना, और तीसरा गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम कानून का इस्तेमाल पर नक्सली गतिविधियों में शामिल आरोपियों के खिलाफ एनआईए की जांच कराकर कड़ा सजा सुनिश्चित करना। कहना न होगा कि तीनों ही फ्रंट में राज्य प्रशासन के सहयोग से बेहतरीन काम हुआ।

भारत के भविष्य को लेकर नेताजी सुभाषचंद्र बोस की दृष्टि

नेताजी की विचारधारा और व्यक्तित्व के बारे में कई व्याख्याएं उपलब्ध हैं लेकिन अधिकांश विद्वानों का मानना है कि हिंदू आध्यात्मिकता ने उनके व्यस्क जीवन के दौरान उनके राजनीतिक और सामाजिक विचारों का आवश्यक हिस्सा बनाया, हालांकि इसमें कट्टरता या रूढ़िवाद की भावना नहीं थी। खुद को समाजवादी कहने वाले नेताजी का मानना था कि भारत में समाजवाद का मूल स्वामी विवेकानंद के विचार है

-प्रहलाद सबनानी

जब नेताजी सुभाषचंद्र बोस के विचारों को भारत के तात्कालीन समकक्ष राजनैतिक नेताओं ने स्वीकार नहीं किया तब नेताजी सुभाषचंद्र बोस ने भारत के भविष्य को लेकर अपनी दूरदृष्टि को धरातल पर लाने के उद्देश्य से अपने कार्य को न केवल भारत बल्कि अन्य देशों में निवास कर रहे भारतीयों के बीच में फैलाने का प्रयास किया। उन्होंने इन देशों में निवासरत भारतीयों को एकत्रित कर उन्हें सैनिक प्रशिक्षण देना प्रारम्भ किया और इस कार्य में उन्हें अपार सफलता भी मिली क्योंकि 29 दिसम्बर 1943 को अंडमान द्वीप की राजधानी पोर्टब्लेयर में नेताजी सुभाषचंद्र बोस ने राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा लहरा दिया था। भारतीय इतिहास में भारत भूमि का यह हिस्सा प्रथम आजाद भूभाग माना जाता है। हालांकि, भारत को आजादी मिलने की घोषणा 15 अगस्त 1947 को हुई थी।

नेताजी के रूप में लोकप्रिय सुभाष चंद्र बोस एक प्रखर राष्ट्रवादी, एक प्रभावी वक्ता, एक कुशल संगठनकर्ता, एक विद्रोही देशभक्त और भारतीय इतिहास के सबसे महान स्वतंत्रता सेनानियों में से एक थे। उन्हें ब्रिटिश सरकार के खिलाफ निर्णायक युद्ध लड़ने और 21 अक्तूबर 1943 को एक स्वतंत्र सरकार बनाने का श्रेय दिया जाता है। वर्ष 1927 में नेताजी को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के महासचिव के रूप में नियुक्त किया गया और उन्होंने भारतीय स्वतंत्रता के लिए कांग्रेस के साथ काम किया, लेकिन समय के साथ कांग्रेस में उपजी गुटबाजी और गांधी जी के साथ वैचारिक मतभेदों के कारण वह कांग्रेस से अलग हो गए और एक स्वतंत्र संगठन के माध्यम से ब्रिटिश सरकार के विरुद्ध सशस्त्र स्वतंत्रता संग्राम लड़ा। नेताजी भारतीय इतिहास में अपने समय के सबसे सम्मानित नेताओं में से एक थे। वह असीम देशभक्त और भारत के विकास और भविष्य के बारे में अत्यंत कृतसंकल्प थे। सुभाष चंद्र बोस का जन्म 23 जनवरी 1897 को बंगाल प्रांत के कटक, उड़ीसा संभाग में प्रभावती दत्त बोस और अधिवक्ता जानकीनाथ बोस के एक बंगाली कायस्थ परिवार हुआ था। उनके प्रारंभिक प्रभावों में उनके हेडमास्टर, बेनी माधव दास और स्वामी विवेकानंद और रामकृष्ण परमहंस की शिक्षाएं शामिल थीं। बाद में 15 वर्षीय बोस में आध्यात्मिक चेतना जग गई थी।

नेताजी की विचारधारा और व्यक्तित्व के बारे में कई व्याख्याएं उपलब्ध हैं लेकिन अधिकांश विद्वानों का मानना है कि हिंदू आध्यात्मिकता ने उनके व्यस्क जीवन के दौरान उनके राजनीतिक और सामाजिक विचारों का आवश्यक हिस्सा बनाया, हालांकि इसमें कट्टरता या रूढ़िवाद की भावना नहीं थी। खुद को समाजवादी कहने वाले नेताजी का मानना था कि भारत में समाजवाद का मूल स्वामी विवेकानंद के विचार है। आपका मानना था कि भगवदगीता अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष की प्रेरणा का एक बड़ा स्त्रोत है। सार्वभौमिकता पर स्वामी विवेकानंद की शिक्षाओं, उनके राष्ट्रवादी विचारों और सामाजिक सेवा और सुधार पर उनके जोर ने नेताजी को उनके बहुत छोटे दिनों से प्रेरित किया था। इस संदर्भ में नेताजी के कई उद्धरण आज भी याद किए जाते हैं। मात्र अडिग राष्ट्रवाद और पूर्ण न्याय और निष्पक्षता के आधार पर ही भारतीय स्वतंत्र सेना का निर्माण किया जा सकता है। यह अकेला रक्त है जो स्वतंत्रता की कीमत चुका सकता है। तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा! वर्ष 1939 की शुरूआत में उनके द्वारा गढ़ा गया नारा था-"ब्रिटेन की कठिनाई भारत का अवसर है।"

नेताजी ने अपने प्रारम्भिक जीवनकाल से ही अपने चिंतन और अपनी कार्यशैली से भारत को स्वाधीन और सशक्त हिंदू राष्ट्र बनाने की दिशा मे कदम बढाया था। भविष्य दृष्टा और राजनीतिज्ञ होने के नाते नेताजी का विश्वास था कि राष्ट्र जागरण और राष्ट्र निर्माण की प्रक्रियाओ को साथ लेकर ही आगे बढ़ना चाहिए। नेताजी की स्पष्ट सोच थी कि स्वतंत्र भारत, सार्वभौम संप्रभुता युक्त शक्तिशाली और विश्ववंद्य होना चाहिये तथा सदियो तक पुन:परतंत्रता न आये, ऐसे प्रयास राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्त होने के साथ ही प्रारम्भ होने चाहिए और इसीलिए भारत के नागरिकों में राष्ट्रीयता का भाव जगाना चाहिए।

स्वाधीन भारत की सुरक्षा के लिये नेताजी सेना के तीनो अंगों, थल सेना, जल सेना और नभ सेना का आधुनिक ढंग से निर्माण और विकास करना चाहते थे। जब वे द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान दूसरी बार जर्मनी गये थे तब नेताजी ने यूरोप के कई देशों का दौरा करके आधुनिक युद्ध प्रणाली का गहराई के साथ अध्ययन किया, इतना ही नही उन्होने जर्मनी मे युद्ध बंदियों और स्वतंत्र नागरिको की जो आजाद हिंद फौज बनाई, उसे पूर्ण रूप से आधुनिक अस्त्र-शस्त्रो से सुसज्जित किया और उसे इस प्रकार का प्रशिक्षण दिलाया कि वह संसार की सर्व शक्तिमान सेनाओं के समकक्ष मानी जाने लगी। आजाद हिंद फौज दुनिया के फौजी इतिहास का एक सफल अध्याय बन गया।

ब्रिटिश शासन काल मे भारत के तात्कालिक राजनैतिक नेतृत्व के पास भारत के आर्थिक विकास, सामाजिक एवं सांस्कृतिक ताने बाने के सम्बंध में अपनी कोई दूरदृष्टि नहीं थी। येन केन प्रकारेण केवल राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्त करना एकमेव लक्ष्य था। ऐसे समय में भारत में देश का शासनतंत्र ब्रिटिशों के हाथों में था। अंग्रेजी शासकों की इच्छा अनुसार ही भारत में शासन चलता था। इसलिये, तत्कालीन ब्रिटिश शासकों की राजनीति की पृष्ठभूमि का उद्देश्य एक ही था कि भारत का अधिक से अधिक शोषण किया जाये एवं भारत की जनता को गुलाम बनाकर, अज्ञानता के अंधेरे मे रखकर, अधिक से अधिक समय तक अपना अधिकार जमाकर रखा जाए। ताकि, भारत सदा सदा के लिये गुलामी की जंजीरो मे जकडा रहे, स्वतंत्र होने का विचार भी न कर सके। परंतु, ऐसी मनोवृत्ती होने के उपरांत भी ब्रिटिशों को भारत से खदेड़ दिया गया। परंतु ब्रिटिश शासकों ने कूटनीतिक चाल चलते हुए भारत का विभाजन हिंदुस्तान एवं पाकिस्तान के रूप में कर दिया।

खेल/विदेश/कारोबार/फिल्म

अमेरिका में 20 फरवरी से पहले डिलीवरी कराने के लिए अस्पतालों में लगी भीड़

(एजेन्सी)।

अमेरिका। डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के तौर पर शपथ ले ली है। 47वें राष्ट्रपति के तौर पर शपथ लेते ही उन्होंने कई महत्वपूर्ण फैसले किए।

चुनाव जीतने के बाद ट्रंप ने जो भी ऐलान किए थे, उसे अब वो कुछ हद तक पूरा करते हुए नजर आ रहे हैं। लेकिन ट्रंप के एक फैसले से प्रेग्नेंट महिलाएं अस्पतालों में पहुंचने लगी हैं। ये महिलाएं समय से पहले डीलिवरी के लिए अस्पताल में फॉर्म साइ कर रही हैं। ट्रंप के नए आदेश के अुसार जो बच्चे 20 फरवरी के बाद जन्म लेंगे उन्हें अमेरिका की जन्मजात नागरिकता नहीं मिलेगी। इसी के चलते कई परिवार चाहते हैं कि उनके बच्चे 20 फरवरी से पहले जन्म ले और बर्थराइट सिटिजनशिप हासिल करें। ट्रम्प ने शपथ लेने के बाद अवैध प्रवासियों की एंट्री बैन करने के अलावा जन्मजात नागरिकता (बर्थराइट सिटीजनशिप) को खत्म करने को लेकर भी एग्जीक्यूटिव ऑर्डर जारी किया है। एग्जीक्यूटिव ऑर्डर वह आदेश होते हैं, जिन्हें राष्ट्रपति जारी करते हैं। उनका यह आदेश कानून बन जाता है जिसे कांग्रेस की मंजूरी की जरूरत नहीं होती। कांग्रेस इन्हें पलट नहीं सकती।

टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, न्यू जर्सी के एक मैटरनिटी क्लिनिक के डॉ. एसडी रामा ने बताया कि ट्रंप के बर्थराइट के 14वें संशोधन में बदलाव करने के कदम के चलते वक्त से पहले बच्चों की डिलीवरी कराने के लिए लंबी लाइन लग गई है। रमा के क्लिनिक में कतार में लगने वालों में से अधिकांश भारतीय महिलाएं हैं जो गर्भावस्था के आठवें या नौवें महीने में हैं, वे सभी 20 फरवरी से पहले सी-सेक्शन निर्धारित करने के लिए कह रही हैं। जिससे 20 फरवरी से पहले उनकी डिलीवरी हो जाए और उनके बच्चों को जन्मजात अमेरिका की नागरिकता मिल जाए।

ओसामा का दोस्त हो गया रिहा, ट्रंप के इस कदम से झूम उठा तालिबान

(एजेन्सी)।

अमेरिका ने ओसामा बिन लादेन के सबसे करीबी और सबसे खास दोस्त को रिहा कर दिया है। अमेरिका की तरफ से ये फैसला दो अमेरिकी नागरिकों को तालिबान की कैद से छोड़ने से छुड़ाने के लिए लिया गया। खान मोहम्मद को क्वांटनामो जेल से रिहा कर दिया गया। मोहम्मद खान को अमेरिकी अदालत ने मादक पदार्थ तस्करी और आतंकवाद के आरोप में दोषी ठहराया था। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार खान मोहम्मद को रिहा करने के बाद काबुल ले जाया गया है। मोहम्मद को 2008 में अमेरिकी अदालत ने आजीवान करावास की सजा सुनाई थी। खान ने हुर्रियत से एक वीडियो इंटरव्यू में कहा कि उसे 16 जनवरी को जेल से रिहा कर दिया गया था। उसने कहा कि इस्लामिक अमीरात के समर्थक और मदद से उसे रिहा किया गया है। वहीं दूसरी ओर तालिबान के प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद ने कहा कि दो अमेरिकी नागरिकों को रिहा किया गया था। इस्लामिक अमीरात के बयान में कहा गया कि वो अमेरिका की उन कार्यवाईयों को सकारात्मक रूप से देखता है जेज दोनों देशों के बीच संबंधों को सामान्य बनाने और विस्तार करने में योगदान देती हैं।

अमेरिका में राष्ट्रपति के रूप में जो बाइडन का कार्यकाल खत्म होने और डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति का कार्यभार संभालने के बीच यह घटनाक्रम सामने आया है। तालिबान ने कैदियों की इस अदला-बदली की प्रशंसा करते हुए इसे अमेरिका और अफगानिस्तान के बीच संबंधों के सामान्य बनाने की दिशा में एक कदम बताया। हालांकि, दुनिया के अधिकतर देश अभी भी तालिबान के शासन को मान्यता नहीं देते हैं। माना जाता है कि दो अन्य अमेरिकी अभी भी अफगानिस्तान में बंधक हैं। इस अदला-बदली के लिए वार्ता में अमेरिका, तालिबान और कतर शामिल थे।

भारत के नंबर-1 शतरंज खिलाड़ी बने डी गुकेश

(एजेन्सी)।

वर्ल्ड चैंपियन डी गुकेश का टाटा स्टील चेस टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन जारी है। उन्होंने पांचवें राउंड के मुकाबले में बुधवार को विजक आन जी को मात दी। इस जीत से गुकेश को डबल फायदा हुआ।

इस दौरान वह न सिर्फ भारत के नंबर वन खिलाड़ी बने बल्कि उन्होंने वर्ल्ड रैंकिंग में भी चौथा स्थान हासिल किया। गुकेश वर्ल्ड चैंपियन बनने के बाद पहली बार कोई टूर्नामेंट खेल रहे हैं। गुकेश ने पांचवें राउंड के मैच जर्मनी के विंसेंट केमार को मात दी जो कि कुछ महीने पहले तक उनकी ही टीम का हिस्सा थे।

सिंगापुर में हुई वर्ल्ड चैंपियनशिप में गुकेश का सामना चीन के डिंग लिरेन था। इस चैंपियनशिप की तैयारी के लिए गुकेश ने जो टीम तैयारी की थी उसमें विंसेंट भी शामिल थे। उन्होंने गुकेश को वर्ल्ड चैंपियन बनाने में काफी मदद की। गुकेश ने वर्ल्ड चैंपियनशिप में कोशिश की थी कि वह लिरेन के खिलाफ मैचों को लंबा खींचे। वह चाहते थे कि लिरेन थक जाएं। विंसेंट ने भी बुधवार को गुकेश के खिलाफ यही प्रयोग अपनाया। उन्होंने कोशिश की और मैच को लंबा खींचा। वह शुरू से ही मजबूत पॉजिशन में नहीं ते लेकिन वह मैच को खींचकर 72वें मूव तक ले गाए। दोनों की बीच 6 घंटे लंबा मैच चला।

गुकेश को विंसेंट के बाद अपने एक और साथी का सामना करना है। पेंटाला हरिकृष्णा भी गुकेश की वर्ल्ड चैंपियनशिप टीम का हिस्सा थे। गुकेश सातवें राउंड में उनका सामना करने उतरेंगे। गुकेश के लिए हालांकि, ये कोई मुश्किल की स्थिति नहीं है। वह अपने विपक्षी को लेकर एक खिलाड़ी के तौर पर देखते हैं। उन्होंने टूर्नामेंट से पहले कहा था कि विंसेंट और हरिकृष्णा का सामना करना उनके लिए खास होगा। गुकेश ने कहा कि, एक बार जब मैं बोर्ड पर पहुंच जाता हूं तो आमतौर पर मुझे प्रतिद्वंद्वी की परवाह नहीं होती, चाहे वह एक अच्छा दोस्त हो या कोई और। ये हमेशा की तरह व्यवसाय होगा।

वेंकटेश अय्यर रणजी ट्रॉफी मुकाबले के दौरान हुए चोटिल

(एजेन्सी)।

केकेआर टीम को आईपीएल 2025 से पहले बड़ा झटका लगा है। दरअसल, रणजी ट्रॉफी 2024-25 का छठा राउंड शुरू हो चुका है। मध्य प्रदेश और केरल के बीच तिरुवनंतपुरम के ग्रीन फील्ड स्टेडियम में खेले जा रहे मैच में स्टार भारतीय ऑलराउंडर वेंकटेश अय्यर बुरी तरह से चोटिल हो गए हैं। जिसके बाद उन्हें मैदान से बाहर ले जाया गया है। अय्यर की चोट इंडियन प्रीमियर लीग फ्रेंचाइजी केकेआर के लिए चिंता का विषय हो सकती है। इस मैच में एमपी की टीम पहले बल्लेबाजी करने के लिए मैदान पर उतरी और उनकी शुरूआत अच्छी नहीं रही। मध्य प्रदेश ने 49 रनों पर 4 विकेट गंवा दिए थे और उसके बाद अय्यर बल्लेबाजी के लिए मैदान पर उतरे लेकिन वे चोटिल हो गए और मैदान छोड़कर बाहर चले गए।

अय्यर का बल्लेबाजी के दौरान टखना मुड़ गया। जिसके बाद वे मैदान पर लेट गए और दर्द से कराहने लगे। उन्हें मैदान पर तुरंत फिजियो ने ट्रीटमेंट दिया, जिसके बाद उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा। आईपीएल ऑक्शन में अय्यर को केकेआर ने 23.75 करोड़ रुपये की भारी बोली लगाकार खरीदा है। वहीं फ्रेंचाइजी उन्हें कप्तान बनाने के बारे में भी सोच रही थी। ऐसे में अय्यर की चोट टीम की सरदर्द न बन जाए।

आईपीएल की शुरूआत 23 मार्च से होनी है। अगर एड़ी की चोट पर नजर डालें तो इसे ठीक होने में आमतौर पर 6-7 सप्ताह का समय लगात है। ऐसे में अब 6 सप्ताह का समय वेंकटेश को मिल सकता है लेकिन कई बार मामला गंभीर होने पर इसे ठीक होने में 5 से 6 महीने का भी समय लग जाता है और मोहम्मद शमी का उदाहरण भी हमारे सामने है।

अय्यर के अलावा भारतीय टीम के पूर्व कप्तान अजिंक्य रहाणे भी केकेआर के कप्तान बनने की रेस में हैं। रहाणे को केकेआर ने 1.5 कोरड़ की बेस प्राइस में खरीदा था। अगर अय्यर ठीक नहीं होते हैं तो रहाणे का कप्तान बनाना लगभग तय है।

एप्पल, ओला और उबर को केंद्र सरकार ने जारी किया नोटिस

(एजेन्सी)।

नई दिल्ली। उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने आईओएस 18 सॉफ्टवेयर अपडेट के बाद आईफोन के साथ कथित प्रदर्शन मुद्दों पर एप्पल इंक को नोटिस जारी किया है। जोशी ने एक्स पर लिखा कि विभाग ने इन शिकायतों की जांच करने के बाद सीसीपीए के माध्यम से एप्पल को नोटिस जारी कर इस मामले पर जवाब मांगा है। नोटिस में iPhones पर सॉफ़्टवेयर अपडेट के बाद रिपोर्ट की गई तकनीकी समस्याओं पर अस्त्रस्त्र'ी से स्पष्टीकरण मांगा गया है। विशेष रूप से, प्रदर्शन के मुद्दों के संबंध में शिकायतें राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन पर प्राप्त हुई हैं।

वहीं, प्रल्हाद जोशी ने कहा कि उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने कैब सेवा प्रदाता ओला तथा उबर को उपयोगकर्ता के मोबाइल ऑपरेटिंग सिस्टम एंड्रॉयड या आईओएस के आधार पर एक ही जगह की यात्रा के लिए कथित रूप से अलग-अलग मूल्य निर्धारण के लिए को नोटिस जारी किया है। जोशी ने सोशल मीडिया मंच पर लिखा, उपभोक्ता मामलों के विभाग ने सीसीपीए के माध्यम से प्रमुख कैब चालकों ओला और उबर को नोटिस जारी कर अलग-अलग मोबाइल (आईफोन और एंड्रायड) के जरिये एक ही जगह की बुकिंग के लिए अलग-अलग भुगतान लेने पर उनसे जवाब मांगा है।

जोशी ने पिछले महीनेउपभोक्ता शोषण को कतई बर्दाश्त नहीं करने की बात कही थी और सीसीपीए से इन आरोपों की गहन जांच करने को कहा था। उन्होंने ऐसी गतिविधियों को प्रथम दृष्टया अनुचित व्यापार व्यवहार तथा उपभोक्ताओं के पारदर्शिता के अधिकार की घोर अवहेलना बताया था।

दिल्ली के खिलाफ रविंद्र जडेजा ने किया कमाल

(एजेन्सी)। रणजी ट्रॉफी के इस सीजन में दिल्ली के खिलाफ मुकाबले में सौराष्ट्र के लिए खेल रहे ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा ने पहली पारी में बेहतरीन गेंदबाजी की। पहली पारी में सौराष्ट्र के खिलाफ दिल्ली की टीम 188 रन पर आउट हुई। दिल्ली के कप्तान आयुष बदोनी ने अर्धशतकीय पारी खेली जबकि सौराष्ट्र के लिए रविंद्र जडेजा ने 5 विकेट हॉल लेने का कारनामा किया। जडेजा ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 35वीं बार 5 विकेट हॉल लेने का कमाल किया। दिल्ली के खिलाफ पहली पारी में जडेजा अपनी शानदार गेंदबाजी के दम पर 5 विकेट लेने में सफल रहे। उन्होंने इस मैच की पहली पारी में 17.4 ओवर में 66 रन बनाकर 5 विकेट लिए और उन्होंने सनत सांगवान, यश ढुल, आयुष बदोनी, हर्ष त्यागी और नवदीप सौनी को आउट किया। रविंद्र जडेजा के अलावा इस मैच में सौराष्ट्र के लिए धमेंद्र सिंहजडेजा ने भी अच्छी गेंदबाजी की और उन्होंने 3 विकेट झटके। सौराष्ट्र के खिलाफ दिल्ली ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया था और फिर ये टीम 188 रन पर आउट हो गई। इस मैच में टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत का बल्ला नहीं चला और वो 10 गेंदों पर एक रन बनाकर आउट हो गए जबकि कप्तान आयुष बदोनी ने बेहतरीन पारी खेली और मुश्किल समय में टीम के लिए 2 छक्के और 5 चौकों की मदद से 78 गेंदों में 60 रन बनाए।

राम गोपाल वर्मा चेक बाउंस मामले में पाए गए दोषी

(एजेन्सी)। निर्देशक राम गोपाल वर्मा सात साल से चल रहे चेक बाउंस मामले में दोषी पाए गए हैं। मुंबई के अंधेरी मजिस्ट्रेट कोर्ट ने मंगलवार को इस मामले में सजा सुनाई है। अदालत ने निर्देशक को तीन महीने की साधारण कैद की सजा हुई है। तेलंगाना टुडे की एक रिपोर्ट में इस बात का खुलासा किया गया है। आउटलेट के अनुसार, सात साल तक मामले की सुनवाई के बाद मुंबई कोर्ट ने वर्मा के नाम पर गैर-जमानती वारंट जारी किया है। तेलंगाना टुडे की एक रिपोर्ट के अनुसार, निदेशक को अदालत ने निगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट की धारा 138 के तहत दोषी पाया, जो 'अपर्याप्त धनराशि या खाते में निर्धारित राशि से अधिक शेष राशि होने पर चेक के अनादर' के लिए दंड का प्रावधान करता है। निर्देशक को शिकायतकर्ता को क्षतिपूर्ति के लिए ?3.75 लाख भी देने होंगे। यदि वह तीन महीने के भीतर राशि का भुगतान करने में विफल रहते हैं तो तो उन्हें तीन महीने की अतिरिक्त कैद होगी। आरजीवी की फर्म के खिलाफ श्री नामक कंपनी ने महेशचंद्र मिश्रा के माध्यम से 2018 में चेक बाउंस का मामला दर्ज कराया था। जून 2022 में, निर्देशक को व्यक्तिगत मुचलका और ?5000 की सुरक्षा जमा राशि प्रदान करने के बाद जमानत दी गई थी।

144 साल बाद आइल बा महाकुंभ के दिव्य संजोग

-शिब्बू गाजीपुरी

प्रयागराज के त्रिवेणी संगम पर लागे वाला कुम्भ के मेला आपन ऐतिहासिक और पौराणिक महात्म्य खातिर खाली भारत में ही ना बल्कि विश्व में विख्यात बा। एह साल भी मेला पूस महीना क पुर्नवासी से शुरू हो गइल बा जवन पूरा माघ चली अउर फागुन क सिरात (शिवरात्रि) के पुर्न होखी। कुम्भ के बात कइल जाव त-तीन साल पर कुम्भ, छः साल पर अर्धकुम्भ, बारह साल पर पूर्णकुम्भ अउर एक सौ चउवालिस साल पर महाकुम्भ के समय आवेला। महाकुम्भ के संयोग केहु-केहु के जिनगी में आवेला काहे कि एकरा समय अंतराल के देखल जाव त एगो महाकुम्भ से दुसरका महाकुम्भ के बीच कई गो पीढ़ी आपन-आपन जीवन जी के स्वर्गलोक के सिधार जाई। एह साल क महाकुम्भ क अलौकिक संयोग कुछ लॉगिन क जिनगी में आइल बा बाकिर सभे लोग एह पुण्य क भागी होखे ई संभव नइखे। जेकर सौहड़ बन पावता ऊ त्रिवेणी जी में आस्था के डुबुकी लगा लेत बा अउर जेकरा भाग में नइखे ऊ लोग अपना निवास स्थान से ही मनही मन ओह तीर्थ के दर्शन कर रहल बा। कुछ लोग उहाँ से लौटे वाला तीर्थ-यात्रियन क चरण-धूलि लेके के कुछ पुण्य के भागी बनल चाहत बाड़न।

एह दिव्य महाकुम्भ में संत-महात्मा अउर गृहस्थ इकट्ठा होलन। तेरह गो अखाड़न क चर्चा विशेष रूप से रहेला जेकर पहिला स्नान (अमृत स्नान) कुम्भ मेला क सौन्दर्य होखेला। समय क अनुसार एह मेला का रूपरेखा, व्यवस्था में परिवर्तन भइल स्वाभाविक बा बाकिर एह महामेला क मूल स्वरूप यानी स्नान क पारंपरिक स्वरूप आज भी देखे के मिल रहल बा जवन प्राचीन समय से चलल आ रहल बा। अजुओ अखाड़ान क स्नान क भव्यता देख के मेला में उपस्थित श्रद्धालु लोग परम सौभाग्य अउर आनंद के अनुभूति करेला।

महाकुम्भ तीर्थ-क्षेत्र में गृहस्थ लोग अपना आस्था क अनुसार कल्प-वास करेला यानी किराया पर मिले वाला कुटिया (टेंट) में निवास करेला। ई कल्पवास क बारे में बतावल जाला कि कल्पवास क अवधि भरसक एक महीना क होखेला बाकिर कुछ श्रद्धालु अपना व्यवस्था क हिसाब से कल्पवास करेलन। कल्पवास त संत महात्मा भी करेलन। अलग-अलग धार्मिक संगठन पंडाल डाल के कथा-प्रवचन क भी आयोजन करेला जवना क लाभ उहाँ पहुँचाल भक्त लोग उठावेला।

नया दौर में एगो विशेष परिवर्तन देखे के मिल रहल बा। पहिले बड़े-बड़े महंत-महात्मा लोग एह महामेला में आवें अउर समाज के धर्म क संदेश देवें जवना संदेश क चर्चा समाचार क सुर्खी बने अउर लोग ओह उपदेशन के अपना जीवन में उतारे के प्रयास करें बाकिर एह सोशल-मीडिया क दौर में एगो विचित्र बदलाव देखे के मिल रहल बा, पहिले जहाँ महात्मा लोग के संदेश प्रचारित-प्रसारित होखे यानी आज क भाषा में वायरल होखे अउर जवन संदेश महाकुम्भ क क्षेत्र से निकल के आपन देश ही ना विदेश तक पहुँचे ओही पवित्र धरती से आज विचित्र-विचित्र संदेश वायरल हो रहल बा जवना संदेश क संबंध धर्म से दूर-दूर तक नइखे। खैर आपन-आपन पसंद। अबकी बार ई लागल कि सोशल प्लेटफॉर्म आपन वास्ता 144 वर्ष पर आवे वाला एह महाकुम्भ से कम बाकिर ओइजहाँ चल रहल सौन्दर्य प्रतियोगिता से ज्यादा रख रहल बा। एही संदर्भ में साध्वी हर्षा क चर्चा सुर्खी त बनले रहे बाकिर ओह मेला में रुद्राक्ष क माला बेचे आइल बिटिया मोनालिसा क आँख क सुंदरता क चर्चा खूब वायरल भइल। ओह वायरल भइला से बिटिया मोनालिसा अपना सुरक्षा के लेके भयभीत हो उठल अउर ऊ अपना सुरक्षा क गोहार सरकार से लगवलस। कुछ लोग ओकरा सौन्दर्य के तुलनात्मक ढंग से भी देखे के प्रयास कइलस। एह बारे में लोगन क कहना रहे कि देश-दुनिया में अपना सौन्दर्य क जादू बिखेरे खातिर लोग तरह-तरह के प्रदर्शन कर रहल बा लेकिन एगो मोनालिसा क रूप में प्रकृतिक सौन्दर्य सीधा-सादा वस्त्र में बिना प्रयास क वायरल हो रहल बा जवना से दुनिया के सबक लेबे के चाहीं। एगो अउर बात बा-मोनालिसा सौंदर्य प्रदर्शन करे त आइल ना रहे बल्कि ऊ मेला में पेट खातिर रोटी कमाए आइल रहे लेकिन दुनिया क अत्याचार से तंग आके ऊ मेला से भाग गइल। जहाँ ऊ ई सोचके आइल रहे कि कुछ दिन क रोजी क व्यवस्था हो गइल लेकिन ऊ का जानत रहल कि ऊ एह तमाशाई दुनिया में एगो तमाशा बन के रह जाई। भोजपुरी में एगो कहावत बा कि चिरई क जान जाय अउर लइकन क खेलवना।

कविता

अन्तर्द्वन्द्व

अन्तरमे हाहाकार भरल
नहि वाणीमे साहस ओ बल,
बनि श्रावण घन झरझर झरझर
अछि बरसि रहल दृग-युग अविरल।

भए मूक बहुत आघात सहल,
नहि हृदय बीच किछु रुधिर रहल,
बल-पौरुष सभ निर्मम लूटल,
नहि जीवन अछि, तन अछि केवल।

हा! केहन कलुषमय नीति कुटिल,
मुखपर मधु, अन्तर गरल भरल,
चिर-प्रभुदित कुसुमित नन्दनवन,
की हेतु एखन उजड़ल उपटल।

नित अर्थ पिशाचक क्रीडासँ
कए रहल विश्व करुणा-क्रन्दन,
निज सुख विलासहित दीन जनक
कए रहल सबल शोणित शोषण।

भए जाए दु:खसँ तन दुर्बल,
नहि आत्मभाव किछु हो विह्वल,
लखि पड़ए अतीतक दर्पणमे
प्रतिविम्ब केहन सुन्दर उज्वल।

अछि सुखित वायु, गिरि-निर्झर जल,
ओ विहगक दल करइत कल कल,
नहि पिंजरमे बान्हल, पकड़ल,
हो सुखित जकर पदमे शृंखल।

की बिसरि गेलहुँ ओ स्वर्णिम दिन?
छल जखन सुखद स्वच्छन्द पवन,
हृत्कलिकामे स्वातन्त्र्य सुरभि,
ओ खड्ग हमर करमे भूषण।

मन कहए जलधिमे डूबि मरू,
गिरि वरक शिखरसँ कूदि पड़ू,
अभिमान, किन्तु कहि रहल सतत,
की भीरु बनब? करवाल धरू।

की केहरि-शिशु केहनो निर्बल,
नहि कूदि पड़ए गजवर शिर पर?
निज जन्मसिद्ध अधिकार हेतु
यदि मरब, मरब, नहि बनब अमर।

हिंस्रक प्रति हिंसा धर्म हमर,
थिक उचित करब शठता शठपर
मुखरित करु सहसा उतरि समर
हरहर शंकर, बमबम शंकर॥

-ईशनाथ झा

देश/प्रदेश

सर्वश्रेष्ठ जिला निर्वाचन पदाधिकारी का अवार्ड वैशाली के जिलाधिकारी, यशपाल मीणा को मिला

■ 25 जनवरी को राज्यस्तरीय समारोह में होंगे सम्मानित

एसबी ब्यूरो प्रमुख/डॉ. संजय

हाजीपुर। राज्य स्तरीय बेस्ट इलेक्टोरल प्रैक्टिसेज अवार्ड 2024 के अंतर्गत 15 वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर राज्य स्तरीय समारोह में पुरस्कृत किए जाने के लिए सर्वश्रेष्ठ जिला निर्वाचन पदाधिकारी के लिए वैशाली के जिलाधिकारी, यशपाल मीणा का चयन किया गया है। दिनांक 25 जनवरी, 2025 को पटना के अधिवेशन भवन में इन्हें सम्मानित किया जाएगा। राज्य स्तरीय चयन समिति द्वारा भारत निर्वाचन आयोग द्वारा अवार्ड के लिए निर्धारित मानकों यथा-निर्वाचन संचालन, मतदान प्रतिशत में बढ़ोतरी एवं नवाचार संबंधी सभी सभी मानकों को ध्यान में रखते हुए जिला पदाधिकारी, वैशाली का चयन किया गया है। जिला पदाधिकारी, यशपाल मीणा ने वैशाली जिला में वोटर की जागरूकता और उनकी चुनाव में सहभागिता के लिए अनवरत एवं अथक प्रयास किया। जिला स्तर से लेकर पंचायत स्तर तक स्वीप गतिविधियां चलीं। जिलाधिकारी ने स्वीप के लिए एक कैलेंडर बनाया। इसमें जिला स्तरीय, अनुमंडल स्तरीय एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी के साथ-साथ विकास मित्र, आशा कार्यकर्ता, पंचायत रोजगार सेवक, आंगनबाड़ी सेविका, जीविका दीदियां को भी सक्रिय रूप से जोड़ा गया। वोटर टर्नअप बढ़ाने को लेकर लगातार बैठकें हुई। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भी जिला पदाधिकारी ने सुबह-शाम मार्गदर्शन दिए। जिला में स्वीप गतिविधियों की बाढ़ आ गई। कहीं रंगोली, कहीं वॉल पेंटिंग, कहीं दौड़ प्रतियोगिता, कहीं सेल्फी प्वाइंट्स। इसका नतीजा यह हुआ कि वैशाली का वाटर टर्न अप जो 2019 लोकसभा चुनाव में 55.22 प्रतिशत था, 2024 के लोक सभा चुनाव में बढ़कर 58.46 प्रतिशत हो गया।

यह जिला पदाधिकारी के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन का परिणाम रहा। जिला पदाधिकारी ने कहा कि गणतंत्र की धरती पर काम करते हुए कोई अवार्ड मिलना सुखद है। उन्होंने इसके लिए पूरी टीम को बधाई दी है।

बालश्रम एवं भिक्षवृत्ति अभियान चलाया गया

एसबी ब्यूरो प्रमुख इन्तजार हुसैन

बदायूँ। गुरुवार को राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग, नई दिल्ली द्वारा जारी निर्देशों के अनुक्रम में अभियान 2.0 के तहत नगर पालिका परिषद, बदायूँ में बाल श्रम एवं भिक्षावृत्ति के कार्य में संलग्न बच्चों हेतु अभियान का संचालन किया गया है जिसके अन्तर्गत दातागंज तिराह, नई सराय, शहबाजपुर, टिकटगंज, चूना मण्डी, सर्राफा बाजार आदि स्थानों पर कार्यरत बाल श्रमिकों का चिन्हांकन किया गया व सेवायोजकों के विरूद्ध मौके पर नोटिस जारी किये गये। अभियान में कुल 08 बाल श्रमिक चिन्हित किये गये। अभियान के अन्तर्गत सेवायोजकों को बाल श्रम के विरूद्ध जागरूक भी किया गया। बाल श्रमिकों को नियोजित करने वाले सेवायोजकों को दोषी पाये जाने पर रू0-50,000 /- तक जुर्माना एवं 02 वर्ष तक के कारावास से दण्डित किया जा सकता है।

आपरेशन बचपन के अन्तर्गत अभियान के दौरान बदायूँ में कोई भी बच्चा भिक्षावृत्ति के कार्य में संलिप्त नही पाया गया। अभियान का संचालन सतेन्द्र कुमार मिश्र श्रम प्रवर्तन अधिकारी बदायूँ के नेतृत्व में किया गया तथा टीम के साथ श्रम विभाग से श्री विचित्र कुमार सक्सेना वरिष्ठ सहायक, श्री रूबेश यादव, गोपू दास, एंटी ह्यूमन ट्रेफिकिंग यूनिट से थाना अध्यक्ष, मान बहादुर सिंह उप निरीक्षक उपदेश कुमार व कॉन्सटेवल सत्यप्रकाश, काशी समाज शिक्षा संस्थान बदायूँ से गंगा सिंह आदि मौजूद रहे।

अकबरनगर प्रीमियम लीग का हुआ उद्घाटन

■ उद्घाटन मैच में अकबरनगर रॉयल्स ने किया जीत दर्ज

एसबी संवाददाता

अकबरनगर। अकबरनगर प्रीमियम लीग क्रिकेट टूर्नामेंट के प्रथम सीजन का उद्घाटन मैच मे अकबरनगर रॉयल्स की टीम ने छह विकेट से जीत दर्ज कर लिया। इससे पहले अकबरनगर प्रीमियम लीग क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन अकबरनगर नगर पंचायत अध्यक्ष किरण देवी, उपाध्यक्ष अनिल यादव सहित अन्य वार्ड पार्षदों ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया।

उद्घाटन मैच अकबरनगर सुपर किंग्स बनाम अकबरनगर रॉयल्स के बीच आयोजित किया गया। टॉस जीतकर अकबरनगर रॉयल्स की टीम ने पहले क्षेत्ररक्षण करने का फैसला लिया। टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरी अकबरनगर सुपर किंग्स की टीम ने निर्धारित 12 ओवर में 134 रन बनाए। जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी अकबरनगर रॉयल्स की टीम ने चार विकेट खोकर 11 में ओवर में ही लक्ष्य को हासिल कर जीत दर्ज कर लिया। मैच में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए अकबरनगर रॉयल्स की टीम के रौशन को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया। जिन्होंने गेंदबाजी में शानदार गेंदबाजी कर तीन विकेट एवं बल्लेबाजी से भी बेहतर प्रदर्शन कर 42 रन का योगदान अपने टीम को जीत दर्ज करने में दिया। आयोजक समिति ने बताया कि शुक्रवार को टूर्नामेंट का दूसरा मैच अकबरनगर इंडियन बनाम अकबरनगर राइडर्स के बीच दिन के बारह बजे से आयोजित किया जाएगा।

वही इस टूर्नामेंट को सफल बनाने में समिति के सभी सदस्य लगे हुए हैं।

नेताजी ने लोगों को बताया था स्वराज का मतलब: सार्जन

जिला कांग्रेस कमिटी
बेगूसराय
अभिनंदन करती है।

एसबी ब्यूरो

बेगूसराय। नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती कांग्रेस भवन बेगूसराय में जिला अध्यक्ष अभय कुमार सिंह सार्जन की अध्यक्षता में मनाई गई। उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के बाद सभा को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष सार्जन ने कहा कि सुभाष चंद्र बोस स्वतंत्रता संग्राम के महानायक थे।उनके नेतृत्व ने देशवासियों को स्वाभिमान से जीने का संदेश दिया। उनका साहस, बलिदान हर भारतीय को प्रेरणा देता है।और उनका योगदान कभी भुलाया नहीं जा सकता। जिस अंग्रेजी हुकूमत के सामने गैर कांग्रेसी माफी मांग लिया करते थे ।उसीअंग्रेजी हुकूमत को देश से भगाने के लिए सुभाष चंद्र बोस ने भारतीयों को संबोधित करते हुए कहा था तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा। वे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के युवा नेता रहे थे।1938 में कांग्रेस का वार्षिक अधिवेशन हरिपुरा में होना तय हुआ था। इस अधिवेशन से पहले गांधी जी ने कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए सुभाष को चुना। यह कांग्रेस का 51 वा अधिवेशन था। इसलिए कांग्रेस अध्यक्ष सुभाष चंद्र बोस का स्वागत 51 बैलों द्वारा खींचे हुए रथ में किया गया था। नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने लोगों को बताया था स्वराज का मतलब।

जयंती कार्यक्रम में रामविलास सिंह, लखन पासवान, सुबोध कुमार, सुनील कुमार सिंह, मो. मतीन, राजदेव पासवान, सुबोध कुमार झा, शांति देवी, रामानुज कुमार,ब्रजेश कुमार प्रिंस, रामचंद्र सिंह, मंगनू जी, रणजीत कुमार मुखिया, विक्रम कुमार, दीपक कुमार, राजेंद्र महतो, शांति देवी सहित अन्य उपस्थित रहे।

कई कॉलोनीयों की 5 घंटे बाधित रहेगी सप्लाई

एसबी ब्यूरो प्रमुख इन्तजार हुसैन

बदायूँ। बिजली विभाग के सहायक अभियंता युसूफ हुसैन ने बताया कि विद्युत नगरीय वितरण उपखंड प्रथम, क्वार्सी, रामघाट रोड, अलीगढ़ के अंतर्गत 11 के० वी० जर्जर पोल एल टी लाइन बदलने एवं स्मार्ट मीटर लगाने हेतु 33/11 के०वी० विद्युत उपकेंद्र स्वर्ण जयंती नगर से पोषित ज्ञानसरोवर फीडर एवं शिवलोक फीडर की लाइन का दिनांक 24.1.2025 को सुबह 10:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक शटडाउन रहेगा तथा विद्युत नगरीय वितरण उपखंड द्वितीय रावण टीला अलीगढ़ 33/11 के० वी० विद्युत उपकेंद्र धनीपुर से पोषित वाटर बॉक्स फीडर एवं नौरंगाबाद शहर फीडर की लाईन का 24.1. 2025 को समय सुबह 10:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक शट-डाउन रहेगा। जिस कारण उपरोक्त फीडरो से पोषित होने वाले क्षेत्रों जैसे ज्ञान सरोवर, किशनपुर, शिवलोक कॉलोनी, सूर्य विहार, कृष्णा नगर, नगला मानसिंह, प्रभात नगर, वैष्णो धाम बाबा कॉलोनी, कुंवर नगर इत्यादि की विद्युत सप्लाई बाधित रहेगी अतः संबंधित क्षेत्र के सम्माननीय उपभोक्ताओं को होने वाली असुविधा के लिए खेद है।

शिक्षा अधिकारी के घर पैसों का ढेर, विजिलेंस टीम के उड़े होश

■ काली कमाई में रजनीकांत प्रवीण ने गंवाई प्रतिष्ठा

मिन्टू कुमार झा

बेतिया। बिहार के बेतिया में गुरुवार के दिन जिला शिक्षा अधिकारी के आवास पर विजिलेंस की छापेमारी चल रही है। बेतिया में अवैध रूप से संपत्ति अर्जित की शिकायत मिली है। जिसके बाद विजिलेंस की टीम ने छापेमारी की है। छापेमारी से जिले के शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया है।

पटना से पहुंची विजिलेंस की टीम सुबह से जिला शिक्षा अधिकारी रजनीकांत प्रवीण के किराए के मकान में रेड की है। साथ ही शिक्षा अधिकारी रजनीकांत प्रवीण से पूछताछ कर रही है। रेड के दौरान भारी मात्रा में कैश बरामद हुआ है।

3 साल से जिला में डीईओ के पद पर हैं पदस्थापित: जानकारी के मुताबिक विजिलेंस की टीम ने स्थानीय पुलिस से शिक्षा अधिकारी रजनीकांत प्रवीण के आवास पर नोट गिनने वाली मशीन मंगाई गई है। डीईओ के घर पर विजिलेंस की सुबह से रेड चल रही है। बेतिया जिला शिक्षा अधिकारी पर आरोप है कि अवैध रूप से संपत्ति अर्जित की शिकायत मिली, जिस मामले में विजिलेंस की टीम ने रेड डाली है। जिला शिक्षा अधिकारी रजनीकांत प्रवीण लगभग 3 साल से जिला में डीईओ के पद पर पदस्थापित हैं।

करोड़ो में कैश हुआ बरामद: रजनीकांत प्रवीण मुफस्सिल थाना क्षेत्र में स्थित बसंत बिहार मोहल्ले में किराए के घर में रहते हैं। बताया जा रहा है कि करोड़ो में कैश बरामद हुआ है। घर के अंदर पुलिस बल तैनात है। मिली जानकारी के अनुसार शिक्षा अधिकारी रजनीकांत प्रवीण के कई ठिकानों पर पुलिस और विजिलेंस की टीम रेड कर रही है। फिलहाल इस कार्रवाई से हड़कंप मचा है। रजनीकांत प्रवीण बेगूसराय में भी डीईओ रह चुके हैं।

नायब सिंह सैनी ने सिविल सचिवालय में सफाई व्यवस्था का लिया जायजा

'कार्यालयों में स्वच्छता का ध्यान रखें सभी अधिकारी'

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा में सार्वजनिक स्थानों और सरकारी कार्यालयों में स्वच्छता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'स्वच्छ हरियाणा मिशन' के अंतर्गत 31 जनवरी, 2025 तक चलाए जा रहे विशेष सफाई अभियान के चलते मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा सिविल सचिवालय में औचक निरीक्षण कर अभियान का जायजा लिया। उनके साथ मुख्य सचिव डॉ विवेक जोशी, सूचना, जनसंपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग के महानिदेशक के मकरंद पांडुरंग, विशेष सचिव, निगरानी एवं समन्वय प्रियंका सोनी और विशेष सचिव, सचिवालय स्थापना संवर्तक सिंह उपस्थित रहे।

इस दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ने हरियाणा को साफ व स्वच्छ बनाने के लिए विशेष अभियान चलाया हुआ है, जिसके तहत सभी जिला अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने कार्यालयों में सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान दें। कार्यालयों में स्वच्छ वातावरण होगा तो कार्य में गति आएगी।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने देश को स्वच्छ बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। उन्होंने देश के नागरिकों से स्वच्छ भारत-स्वस्थ भारत बनाने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले लोग खुले में शौच के लिए जाते थे, लेकिन प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने हर घर शौचालय योजना चलाकर आज देश को ओडीएफ मुक्त किया है। इसके अलावा, उन्होंने पर्यावरण की स्वच्छता पर भी विशेष ध्यान दिया है और इसके लिए एक पेड़ माँ के नाम अभियान चलाया हुआ है, जिसके अंतर्गत अब तक लाखों पेड़ लगाए जा चुके हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सभी की व्यक्तिगत स्वच्छता के साथ-साथ अपने आस-पास के स्थल को भी साफ सुथरा बनाये रखने की जिम्मेदारी है। स्वच्छ वातावरण होने से हम निरोगी रहेंगे।

योग एक व्यायाम मात्र नहीं, बल्कि यह एक जीवन शैली है

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजेश कुमार

पंचकूला। राजकीय महाविद्यालय कालका की प्राचार्या प्रोमिला मलिक के कुशल नेतृत्व में योग क्लब द्वारा हर घर परिवार सूर्य नमस्कार अभियान कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। प्रस्तुत कार्यशाला योग क्लब की प्रभारी प्रोफेसर डॉक्टर गीता द्वारा 23 जनवरी से 31 जनवरी तक आयोजित की जाएगी। सूर्य नमस्कार अभियान कार्यक्रम का आयोजन हरियाणा योग आयोग हरियाणा सरकार द्वारा किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि आम-जन के स्वास्थ्य एवं संवर्धन के लिए वर्ष 2025 में स्वामी विवेकानंद जयंती 12 जनवरी 2025 से महर्षि दयानंद सरस्वती जयंती 12 फरवरी 2025 के मध्य में हरियाणा योग आयोग सूर्य नमस्कार अभियान का आयोजन करने जा रहा है।

प्राचार्या प्रोमिला मलिक ने कहा कि योग एक व्यायाम मात्र नहीं है अपितु यह एक जीवन शैली है जिसे अपनाकर हर व्यक्ति स्वस्थ रह सकता है। उन्होंने योग को सभी विद्यार्थियों को अपने दैनिक जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस योग कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापकों व विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। सूर्य नमस्कार की 12 मुद्राओं का योगाभ्यास किया गया। योग प्रशिक्षिका योग क्लब की छात्र अध्यक्ष तमन्ना रही। प्रथम दिवस कुल 155 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रस्तुत कार्यक्रम योग क्लब के सदस्य डॉ सुरेश, प्रोफेसर प्रदीप और प्रोफेसर हरदीप के मार्गदर्शन और दिशा निर्देशन में आयोजित किया गया।

डीसी की पहल पर जिले में नई मुहीम की शुरूआत

जिला के अधिकारियों ने ली शपथ, पहले खुद सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करेंगे

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। जिला कैथल में डीसी प्रीति की अगुवाई में अमर शहीद नेता जी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर वीरवार से एक नई मुहीम शुरू की गई है। जिसका उद्देश्य जिले में सड़क हादसों में होने वाली मौत को शून्य के लक्ष्य पर लाया जाना है। इसके लिए डीसी सहित सभी अधिकारियों ने सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में शपथ ली और संकल्प लिया कि वे स्वयं सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करेंगे। इसके बाद जनभागीदारी से इस अभियान को सफल बनाया जाएगा। जिसमें सड़कों पर नियमों की पालना करते हुए प्रयास किया जाएगा कि हादसे न हों। यदि हादसे हो भी जाएं तो घायलों को समय पर उपचार सहित अन्य उपायों से मौतों को कम किया जाए। डीसी प्रीति ने आमजन का भी आह्वान किया कि वे इस मुहीम में शामिल हों और सड़क पर वाहन चलाते समय नियमों का पालन करें।

डीसी ने एसडीएम को निर्देश दिए कि सायं तक यह अपडेट किया जाए कि कितनी बसों में गंभीर खामियों को दूर किया गया है। कितनी ऐसी बसें हैं, जिनमें अभी भी गंभीर खामियां हैं और संचालक के खिलाफ क्या कार्रवाई की गई। डीसी ने स्पष्ट किया कि नियमों का गंभीर उल्लंघन करने वाली बसें सड़कों पर नहीं चलेंगी। हम हादसों का इंतजार करने की बजाए समय रहते उपाय करें। ताकि हादसों से बचा जा सके।

लघु सचिवालय स्थित सभागार में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में डीसी ने पिछली बैठक के एजेंडों की समीक्षा की और नए बिंदूओं पर चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में न पहुंचने पर एचएसवीपी के ईओ को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

डीसी ने कहा कि स्कूल बसों में नियमों का पालन करवाने व कम उम्र के बच्चों को वाहन चलाने से रोकने का मकसद केवल चालान करना नहीं है बल्कि हादसों को रोकने की दिशा में जनभागीदारी से प्रयास करना है। शिक्षा विभाग के अधिकारी व यातायात पुलिस कर्मी स्कूलों के बाहर, कोचिंग संस्थानों के बाहर इस बात की जांच करें कि कोई बच्चा कम उम्र में वाहन न चलाता हो। यदि पकड़ा जाए तो पहली बार में उसके परिजनों को बुलाकर चेतावनी देकर छोड़ें, दूसरी बार नियमानुसार सख्त कार्रवाई करें। अध्यापकों को लगातार जागरूक किया जाए। एसडीएम, शिक्षा विभाग के अधिकारी व पुलिस अधिकारी बैठकें करें। जिसमें नशे सहित अन्य मुद्दों के साथ-साथ सड़क सुरक्षा के विषय में भी लोगों से बात करें। स्कूलों में क्लब बनाकर इस विषय में चर्चा करवाई जाए।

कार्यक्रमों में सड़क सुरक्षा नियमों की शपथ दिलवाएं। उन्होंने कहा कि सभी विभागाध्यक्ष यह सुनिश्चित करें कि उनके कार्यालय में आने वाले कर्मचारी व आमजन सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करें। यदि कोई बिना हेलमेट कार्यालयों में आता है तो उसे हेलमेट का प्रयोग करने के लिए प्रेरित करें।

बाबा फतेह सिंह जी राजकीय महाविद्यालय में मनाई गई नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग

असंध। बाबा फतेह सिंह जी राजकीय महाविद्यालय असंध के प्रांगण में वीरवार को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त स्टाफ ने सर्वप्रथम नेताजी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस मौके पर इतिहास विभागाध्यक्ष रोहतास ने छात्रों को सम्बोधित करते हुए कहा कि यह दिन हमें नेताजी के बलिदान, उनके दृढ़ संकल्प और उनकी देश प्रेम की भावना की याद दिलाता है। नेताजी ने भारत की स्वतंत्रता के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया।

उन्होंने छात्रों को आजाद हिंद फौज का गठन और अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई के इतिहास से भी अवगत करवाते हुए कहा कि हमें उनके अदम्य साहस से प्रेरणा लेते हुए, बतौर प्राध्यापक बतौर छात्र देश के निर्माण में योगदान देना चाहिए। उन्होंने स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा आजादी के लिए किए गये संघर्ष पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में मंच संचालन डॉ अमृत कौर ने किया। इस अवसर पर सौरभ शर्मा, डॉ संदीप कुमार, उर्मिला, सुरेश कुमार, विक्रम के अलावा समस्त महाविद्यालय स्टाफ ने नेता जी को नमन किया। इसके अलावा महाविद्यालय में योग आयोग, हरियाणा सरकार के निर्देशित 'हर घर परिवार सूर्यनमस्कार' अभियान के क्रमागत योगाभ्यास के तहत दूसरे दिन का सूर्य नमस्कार के 12 आसनों का अभ्यास करवाया गया। यह योगाभ्यास कम्प्यूटर अनुदेशिका निशा रानी द्वारा करवाया गया। महाविद्यालय स्टाफ सदस्य व छात्रों ने बड़ी तल्लीनता के साथ ही योगाभ्यास को किया।

सुभाष चंद्र बोस जयंती पर हरियाणा पुलिस अकादमी में सूर्य नमस्कार

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। हरियाणा पुलिस अकादमी मधुबन में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर 'हर घर परिवार सूर्य नमस्कार' अभियान के तहत सूर्य नमस्कार का विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। नेताजी सुभाष चंद्र बोस परेड मैदान में आयोजित इस कार्यक्रम में अकादमी के प्रशिक्षकों व प्रशिक्षणार्थियों ने 12 बार सूर्य नमस्कार करते हुए नेताजी सुभाष चंद्र बोस को याद किया। उन्होंने जोश के साथ जय हिन्द का भी उद्घोष किया।

पुलिस विभाग व विभिन्न संस्थाओं के साथ मिलकर 'हर घर परिवार सूर्य नमस्कार' अभियान आरंभ किया गया है। इसमें भागीदारी करते हुए हरियाणा पुलिस अकादमी द्वारा 11 जनवरी को संकल्प दिवस, 12 जनवरी को स्वामी विवेकानंद जयंती मनाई गई और अकादमी स्टाफ व प्रशिक्षणार्थियों द्वारा 12 बार सूर्य नमस्कार किया और इसे करते रहने का संकल्प लिया। अकादमी के निदेशक डॉ अरशिन्दर सिंह चावला द्वारा अकादमी के पुलिस उप-अधीक्षक गोरखपाल को इस कार्यक्रम का नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। अकादमी द्वारा संस्थागत रूप से आयोजित किए जाने वाले इस विशेष कार्यक्रमों के अतिरिक्त भी प्रतिभागी व्यक्तिगत रूप से अपना पंजीकरण कराकर प्रतिदिन 12 बार सूर्य नमस्कार करते हुए उत्साह के साथ इस अभियान में सक्रिय भागीदारी कर रहे हैं।

नशा छोड़ों-खेलों से नाता जोड़ों, स्वास्थ्य ही धन है और नशा इसका दुश्मन

प्रशासन द्वारा नशा मुक्ति के प्रचार के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में चलाया जा रहा है कार्यक्रमः एसडीएम

एसबी संवाददाता

गुहला-चीका। एसडीएम कृष्ण कुमार ने कहा कि नशा छोड़ों-खेलों से नाता जोड़ों, स्वास्थ्य ही धन है और नशा इसका दुश्मन। हमें युवाओं को इसी प्रकार के संदेश के साथ जागरूक करना है। सभी अधिकारी व कर्मचारी नशा मुक्ति के प्रचार-प्रसार को जन-जन तक पहुंचाएं। युवाओं को नशे से बचाने के लिए हम सबको मिलकर कार्य करना होगा। आमजन भी प्रशासन द्वारा चलाई जा रही इस मुहिम में अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करें।

एसडीएम कृष्ण कुमार ने कहा कि उपमंडल गुहला में नशा मुक्ति के प्रचार के लिए शेडयूल भी बनाया गया है, जिसके माध्यम से शहर व ग्रामीण क्षेत्रों को कवर किया जाएगा। तहसीलदार गुहला, संबंधित पटवारी व नंबरदार इन निर्धारित कार्यक्रमों में मौजूद रहेंगे। पुलिस विभाग की तरफ से उप-पुलिस अधीक्षक, खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी, ग्राम सचिव, सरपंच व पंच भी जागरूकता कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी देंगे तथा उनके द्वारा दिए जाने वाले सुझावों के माध्यम से एक नई रूप रेखा तैयार की जाएगी।

शिक्षा विभाग से खंड शिक्षा अधिकारी गुहला के साथ-साथ संबंधित स्कूल के मुखियाओं, महिला एवं बाल विकास विभाग से सीडीपीओ गुहला संबंधित गांव की आंगनवाड़ी वर्कर, हैल्पर व सुपरवाईजर भी इन कार्यक्रमों में शामिल होंगी। एसडीएम ने नशा मुक्ति के प्रचार के लिए उप-पुलिस अधीक्षक, तहसीलदार, खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी, सीनियर सिविल सर्जन, ड्रग इंस्पेक्टर, खंड शिक्षा अधिकारी, महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी, समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

एसडीएम कृष्ण कुमार ने बताया कि वीरवार को गांव अरनौली, सिहाली, बुढ़नपुर गुजरान, डेरा बाजीगर, लंडाहेड़ी, शहीद भगत सिंह में नशा मुक्ति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अभियान के तहत लोगों को विभिन्न विभागों के अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभाव के बारे में पूर्ण जानकारी भी प्रदान की गई। इसी प्रकार जनवरी माह में 30 जनवरी को गांव अजीमगढ़, महमदपूर, शादीपुर, गढ़ी नजीर, मलिकपुर गांव में भी नशा मुक्ति कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

सीएचसी राजौंद में ब्लॉक आशा वर्कर, एएनएम की बाल विवाह रोकथाम के लिए विशेष ट्रेनिंग हुई

ट्रेनिंग देने पहुंचे प्रोटेक्शन एवं प्रोबेशन अधिकारी डॉ सुनीता एवं डिप्टी सिविल सर्जन कैथल डॉ विकास धवन

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

राजौंद। सीएससी राजौंद में प्रोटेक्शन एवं प्रोबेशन ऑफीसर डॉ सुनीता एवं डिप्टी सिविल सर्जन कैथल डॉ विकास धवन ने राजौंद ब्लॉक की आशा वर्कर एवं एएनएम को बाल विवाह व जबरन विवाह रोकथाम के लिए विशेष ट्रेनिंग दी। इस अवसर पर प्रोटेक्शन एवं प्रोबेशन ऑफीसर डॉ सुनीता ने ट्रेनिंग के दौरान आशा वर्कर व एएनएम को बताया कि बाल विवाह अधिनियम के तहत बाल विवाह करना कानून अपराध है। उन्होंने बताया कि यदि आपको आपके क्षेत्र में कहीं पर भी बाल विवाह होने की सूचना मिलती है तो मौके पर पहुंचकर उस परिवार को समझाया जाए, यदि वह ना समझे तो उसकी सूचना उच्च अधिकारियों को दी जाए।

डिप्टी सिविल सर्जन डॉक्टर विकास धवन ने बताया कि आजादी से पूर्व 1929 से भारत में बाल विवाह विरोध कानून अमल में आ चुका था। इसकी कमियों को दूर करके इसमें और सुधार किया गया है।

बताया गया कि बिल विवाह अधिनियम 2006 एक नवम्बर 2007को लागु हुआ था। बाल विवाह या जबरन विवाह के लिए भारत में कड़ी सजा का प्रावधान है। उन्होंने बताया कि बाल विवाह करने पर 2 साल की सजा व एक लाख जुर्माना का प्रावधान है। भारत के कानून के अनुसार विवाह के समय लड़की की आयु 18 वर्ष व लड़के की आयु 21 वर्ष निर्धारित की गई है। यदि कोई परिवार, अविभावक इस नियम का उल्लंघन करता है तो उसके खिलाफ सख्त सजा का प्रावधान है। यह गैर जमानती अपराध है। उन्होंने बताया कि भारत सरकार ने बाल अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र संघ कन्वेंशन में हस्ताक्षर किए हैं। जो बाल विवाह सहित सभी हानिकारक कुप्रथाओं से बच्चों की सुरक्षा को अनिवार्य करता है। बताया गया कि भारत का लक्ष्य सन 2030 तक सभी प्रकार की हानिकारक कुप्रथाओं जैसे बाल विवाह, जबरन विवाह से देश को आजाद करवाना है।

सीएचसी राजौंद में आशा वर्कर व एएनएम को ट्रेनिंग देते डिप्टी सिविल सर्जन डॉक्टर विकास धवन व प्रोटेक्शन व प्रोबेशन अधिकारी डॉक्टर सुनीता। (छाया: एसबी)

इस अवसर सीएचसी राजौंद में ब्लॉक की सभी आशा वर्कर व एएनएम ट्रेनिंग कार्यक्रम में मौजूद रही। जानकारी के अनुसार आज ट्रेनिंग कार्य राजौंद व कलायत में किया गया। डिप्टी सिविल सर्जन डॉक्टर विकास धवन ने बताया कि बाल विवाह करने से माता व बच्चें की मृत्यु दर बढ़ती है। क्योंकि माता का शरीर शादी के योग्य नहीं होता। बच्चा, माता की कोख में विकसित नहीं हो पाता। उन्होंने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश अनुसार इस प्रकार के ट्रेनिंग कार्यक्रम पूरे जिला कैथल में चलाए जा रहे हैं। इस ट्रेनिंग में पूरा जिला कैथल को कवर किया जा रहा है और 30 जनवरी से पहले जिला कैथल को कवर करके इसकी रिपोर्ट माननीय सुप्रीम कोर्ट में सबमिट करवाई जाएगी।

डिप्टी सिविल सर्जन डॉक्टर विकास धवन ने जिला कैथल के सभी अभिभावकों, परिवारो से अनुरोध किया है कि वे बाल विवाह व जबरन विवाह जैसी को कुप्रथा से बचे। भारतीय संविधान का सम्मान करते हुए कानून के दायरे में रहकर, लड़की की आयु 18 वर्ष व लड़के की आयु 21 वर्ष पूर्ण होने के बाद ही उनका विवाह करें। हम सब के सहयोग से भारत देश स्वस्थ व समृद्ध बनेगा।

हर नागरिक को देश को खुशहाल व समृद्ध बनाने में अपना यथायोग्य सहयोग देना चाहिए।

मिशन बुनियाद लेवल-1 क्वालीफाई विद्यार्थियों की लेवल-2 परीक्षा 28 जनवरी को होगी आयोजित

लेवल-2 परीक्षा जिला स्तर पर होगी आयोजित

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। हरियाणा सरकार के दिशा-निर्देश व शिक्षा विभाग की और से चलाये जा रहे मिशन बुनियाद चयन हेतु लेवल-1 परीक्षा परिणाम घोषित किया जा चुका है। जिसमें जिला कैथल के आठवीं कक्षा में पढ़ने वाले सरकारी स्कूलों से 3421 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी थी, इनमे से 1182 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए है। जिसमे 688 छात्राएं व 494 छात्र क्वालीफाई हुए हैं।

जिला शिक्षा अधिकारी रामदिया गागाट ने बताया कि अब ये विद्यार्थी 28 जनवरी 2025 को मिशन बुनियाद लेवल-2 की परीक्षा में भाग लेंगे, जोकि जिला स्तर पर आयोजित होगी। लेवल-2 के विभागीय निर्देशानुसार विद्यार्थी को अपने साथ लेवल-2 एडमिट कार्ड, आधार कार्ड, दो पेन, पासपोर्ट साइज फोटो और पानी बोतल साथ लेकर आना है।

मिशन बुनियाद के अंतर्गत फाइनल प्रतियोगी परिक्षा उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थियों को कक्षा 9वीं और 10वीं में डिजिटल माध्यम से शिक्षा प्रदान की जाती है। इस कार्यक्रम का उदेश्य बच्चों के बीच में एक स्वतंत्र, सकारात्मक और प्रतिस्पर्धी भावना को बढ़ाना ताकि वह अपने आगामी जीवन की चुनौतियों का सामना कर सके।

जिला कैथल में पांच बुनियाद सेंटर राजकीय स्कूलों में चलाये जा रहे है। इन बुनियाद सेंटर पर 9वीं और 10वीं कक्षा की पढ़ाई के साथ-साथ 'हरियाणा सुपर-100' प्रवेश परीक्षा की तैयारी भी करवाई जाती है।

हरियाणा प्रतिभा खोज
Mission
Buniyaad
Haryana Super 100
Registration Form
Batch 2025-27

जिला विज्ञान विशेषज्ञ अनिल तंवर ने बताया कि चयनित विद्यार्थियों को मिशन बुनियाद सेंटर पर दो वर्ष के लिए पढ़ाई करवाई जाती है। बुनियाद सेंटर पर पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों को स्टेशनरी, वर्दी व परिवहन यात्रा भत्ता तथा अन्य सुविधाएं हरियाणा सरकार, शिक्षा विभाग द्वारा प्रदान की जाती है, ताकि विद्यार्थियों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना ना करना पड़े। मिशन बुनियाद व हरियाणा सुपर-100, हरियाणा व शिक्षा विभाग का सरकारी स्कूल के विद्यार्थियों के लिए एक बेहतरीन अवसर है। सुपर 100 में दाखिला होने के पश्चात विद्यार्थी को कक्षा 10+1 व 10+2 मैडिकल व नॉन मेडिकल स्ट्रीम में पढ़ाने के साथ -साथ एमबीबीएस, आईआईटी व एनडीए प्रतियोगिता की तैयारी हरियाणा सरकार निःशुल्क करवाती है।

सुफर-100 में चुने जाने के पश्चात विद्यार्थी के होस्टल में रहने, भोजन, वर्दी, स्टेशनरी का पूरा खर्चा हरियाणा सरकार वाहन करती है। सुपर 100 व मिशन बुनियाद को हरियाणा शुरू करने व सफलता पूर्वक जारी रखने के लिए हरियाणा सरकार के तात्कालिक मुख्यमंत्री मनोहर लाल, वर्तमान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, शिक्षा विभाग हरियाणा, शिक्षा सचिव, सुपर 100 डायरेक्टर नवीन मिश्रा, मिशन बुनियाद डायरेक्टर प्रदीप सेंसरवाल व उनकी पूरी टीम बधाई के पात्र हैं। अविभावको को चाहिए कि वे अपने बच्चों को सरकारी सुविधाओं, योजनाओं जैसे सुपर सौ, मिशन बुनियाद का लाभ दिलवाने के लिए उनके दाखिले सरकारी स्कूल में करवाएं।

हरियाणा 2030 तक बनेगा प्रदूषण मुक्त राज्य

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में यहां हुई मंत्रिमंडल की बैठक में वित्तीय वर्ष 2024-25 से 2029-30 तक की अवधि के लिए सतत विकास हेतु हरियाणा स्वच्छ वायु परियोजना (हरियाणा क्लीन एयर प्रोजेक्ट फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट) को मंजूरी दी गई। इस परियोजना का उद्देश्य भारत-गंगा के मैदान (इंडो गंगेटिक प्लेन) में वायु की गुणवत्ता में सुधार करना और प्रदूषण के उत्सर्जन को कम करना है, जो कई राज्यों की सीमाओं में फैला हुआ है।

सतत विकास हेतु हरियाणा स्वच्छ वायु परियोजना (ल्ठउअढरऊ) को विश्व बैंक द्वारा मदद दी जा रही है। यह खास पहल हरियाणा सरकार की है। इस परियोजना के लिए कुल प्रस्तावित बजट 3,647 करोड़ रुपये है। इस परियोजना को विश्व बैंक के परिणाम कार्यक्रम तंत्र के माध्यम से वित्तपोषित किया जाएगा।

यह परियोजना राज्य में वायु गुणवत्ता प्रबंधन प्रणालियों को मजबूत करने में सहायता करेगी, साथ ही भारत सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों में के साथ भी तालमेल बनाएगी। यह क्षेत्र-विशिष्ट वायु प्रदूषण निवारण उपायों को डिजाइन करने और लागू करने तथा सीमा-पार उत्सर्जन को कम करने के लिए भारत-गंगा के मैदान (आईजीपी) राज्यों के बीच समन्वय को सुविधाजनक बनाने पर ध्यान केंद्रित करेगा। इसके अतिरिक्त, परियोजना का उद्देश्य हरियाणा के शहरों में नागरिकों के लिए 'जीवन की सुगमता' को बढ़ाना भी है। परियोजना के संभावित लाभों में अत्याधुनिक प्रदूषण नियंत्रण तकनीकों के परीक्षण और विस्तार का समर्थन करना

शामिल है। यह परियोजना शेष भारत के लिए एक मॉडल के रूप में भी काम कर सकती है। यह वायु गुणवत्ता निगरानी नेटवर्क के विस्तार, प्रदूषण के राज्यव्यापी स्रोतों को पकड़ने और राज्य-स्तरीय उत्सर्जन सूची के विकास के माध्यम से एयर-शेड प्रबंधन को भी सक्षम करेगा। इस परियोजना से प्रदूषण के उत्सर्जन में कमी और सकारात्मक स्पिलओवर प्रभावों के माध्यम से हरियाणा में वायु गुणवत्ता में सुधार होने की उम्मीद है। सतत विकास के लिए हरियाणा स्वच्छ वायु परियोजना हरियाणा प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सहयोग से पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन विभाग के नेतृत्व में एक बहु-क्षेत्रीय पहल है।

सतत विकास के लिए हरियाणा स्वच्छ वायु परियोजना को विभिन्न विभागों द्वारा संयुक्त रूप से क्रियान्वित किया जाएगा, जिसमें पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, कृषि एवं किसान कल्याण, परिवहन, उद्योग एवं वाणिज्य, शहरी स्थानीय निकाय निदेशालय, नगर एवं ग्राम नियोजन, हरियाणा राज्य औद्योगिक एवं अवसंरचना विकास निगम, हरियाणा प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, ग्रामीण विकास, पशुपालन एवं डेयरी, विकास एवं पंचायत, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, गुरुग्राम मेट्रोपॉलिटन सिटी बस लिमिटेड, फरीदाबाद मेट्रोपॉलिटन सिटी बस लिमिटेड, हरियाणा सिटी बस सर्विस लिमिटेड और एमएसएमई निदेशालय शामिल हैं।

सतत विकास हेतु हरियाणा स्वच्छ वायु परियोजना में इसकी प्रगति की समीक्षा और निगरानी के लिए तीन स्तरीय शासी संरचना होगी। शीर्ष स्तर पर, मुख्य सचिव की अध्यक्षता वाली शासी समिति तिमाही आधार पर परियोजना की प्रगति की समीक्षा करेगी। दूसरे स्तर पर, संचालन समिति का नेतृत्व पर्यावरण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव करेंगे, जिसमें सदस्य कार्यान्वयन विभागों के निदेशक होंगे। संचालन समिति मासिक आधार पर परियोजना के तहत प्रगति की समीक्षा करेगी।

बाबा श्री खाटू श्याम चुलकाना धाम पूजास्थल बोर्ड की होगी स्थापना

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजेश कुमार

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में आज यहां हुई मंत्रिमंडल की बैठक में हरियाणा बाबा श्री खाटू श्याम चुलकाना धाम पूजा स्थल विधेयक, 2025 के मसौदे को मंजूरी दी गई। विधेयक का उद्देश्य तीर्थयात्रियों/श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं प्रदान करना तथा तीर्थ स्थल की परिसंपत्तियों का बेहतर प्रबंधन करना है। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार ने श्री माता मनसा देवी पूजा स्थल बोर्ड, पंचकूला, श्री माता शीतला देवी पूजा स्थल बोर्ड, गुरुग्राम, श्री कपाल मोचन, श्री बद्री नारायण, श्री मन्तरा देवी और श्री केदारनाथ पूजा स्थल बोर्ड, यमुनानगर की स्थापना करके विभिन्न पूजा स्थलों का प्रबंधन अपने अधिकार क्षेत्र में लिया है। गौरतलब है कि हरियाणा एवं पड़ोसी राज्यों से लाखों भक्त/श्रद्धालु भगवान के दर्शनों हेतु प्रतिवर्ष मंदिर में आते हैं।

श्री श्याम बाबा के धाम में प्रत्येक एकादशी को जागरण एवं फाल्गुन मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी व द्वादशी को प्रतिवर्ष मेले आयोजित किए जाते हैं। इसके अलावा, प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु सुख-समृद्धि के लिए भगवान के दर्शनों के लिए आते हैं।